संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 296
पृष्ठ 8
मंगलवार
16 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जावा प्लम गर्मियों में ठंडक....
विचार- जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष ...
खेल- अब भारत के सामने श्रीलंका की चुनौती...

पीएम सूर्य गृह मुफ्त बिजली योजना का करें व्यापक प्रचार-प्रसार : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ऊर्जा विभाग के मंत्री की उपस्थिति में प्रदेश में बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए भविष्य के दृष्टिगत जारी प्रयासों की समीक्षा की। बैठक में उत्तर प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ-साथ सभी डिस्कॉम के वरिष्ठ अधिकारियों और अभियंताओं की भी सहभागिता रही। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में बीते 07 वर्षों में प्रदेश में सबको बिजली-निर्बाध बिजली का संकल्प पूरा हो रहा है। हर गांव-हर मजरे तक बिजली उपलब्ध पहुंचाई गई है। यह सुखद है कि आज बिना किसी भेदभाव अथवा वीआईपी कल्चर के आपूर्ति की जा रही है। इस बार भीषण गर्मी के बीच आम जन की सुविधा के लिए अतिरिक्त प्रयास करते हुए 15 मार्च से 30 जून तक पूरे प्रदेश में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की गई। विभिन्न हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के अतिरिक्त आज प्रदेश में अनपरा, हरदुआगंज, ओबरा, पारीछा और जवाहरपुर में 22 थर्मल परियोजनाएं सफलतापूर्वक चल रही हैं। घाटमपुर, पनकी, ओबरा-सी और जवाहरपुर में निर्माणाधीन इकाइयों का कार्य तेजी के साथ पूरा करा लिया जाए। एनटीपीसी के साथ संयुक्त उपक्रम के रूप में स्थापित हो रही ओबरा डी, अनपरा ई और मेजा तापीय परियोजना-द्वितीय चरण के अलावा, टीएचडीसी के साथ निर्माणाधीन खुर्जा तापीय परियोजना का कार्य तेज किये जाने की अपेक्षा है। इन प्रयासों से प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी होगी। रिहंद बांध, ओबरा जलाशय तथा इसके आस पास के क्षेत्र में पम्प स्टोरेज प्लांट स्थापित किये जाने की संभावना का अध्ययन कराया जाए। बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2018-19 में एक दिन में सर्वाधिक 20062 मेगावॉट की मांग रही, जो इस सत्र में 13 जून को 30618 मेगावॉट तक पहुंच गई थी। आमजनता की आवश्यकता के दृष्टिगत इस वर्ष गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली आपूर्ति की गई। मांग के सापेक्ष पर्याप्त बिजली आपूर्ति कराया जाना सुनिश्चित कराएं। हर घर बिजली-निर्बाध बिजली के संकल्प की पूर्ति में विद्युत पारेषण तंत्र को और बेहतर किया जाना आवश्यक है। नए सब स्टेशन स्थापित करने से पूर्व वहां की आवश्यकता का अध्ययन जरूर किया जाए। अगले पांच वर्ष की आवश्यकता के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करते हुए नए सब स्टेशनों की स्थापना कराई जाए।गांव हो या नगरीय क्षेत्र ट्रांसफार्मर खराब हो तो बिना विलंब तत्काल सुधार होना चाहिए। आवश्यकतानुसार नया ट्रांसफार्मर भेजा जाए। तय समय सीमा का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। ट्रांसफार्मर की मरम्मत करने वाली एजेंसियों के कार्यों का भी अवलोकन किया जाना चाहिए। टॉल फ्री नंबर/हेल्पलाइन पर आने वाली हर कॉल अटेंड करें। हर उपभोक्ता की समस्या का यथोचित समाधान किया जाना चाहिए।बिजली कनेक्शन चार्ज तय करने को लेकर प्रायः लोगों में असंतुष्टि देखी गई है। यह आवश्यक है कि इसमें एकरूपता हो। इसके लिए नियमों में सुधार करें। अनावश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर चार्ज को कम किया जाए। आम जन की सुविधा और सहूलियत को प्राथमिकता दें। पॉवर कॉर्पोरेशन के सामने सबसे बड़ी चुनौती है सही बिल और समय पर बिल उपलब्ध कराना तथा सभी उपभोक्ताओं से बिल की राशि का संग्रह करना। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी उपभोक्ता को गलत बिजली बिल न मिले और सभी को समय से बिल मिल जाए। ओवरबिलिंग अथवा विलंब से बिल दिया जाना उपभोक्ता को परेशान तो करती ही है, व्यवस्था के प्रति निराश भी करती है और वह बिल जमा करने के प्रति उत्साहित नहीं होता। ऐसे में समय से बिल और सही बिल दिया जाना सुनिश्चित करें। उपभोक्ताओं से संवाद बनाएं। इसके लिए डिस्कॉम से लेकर फीडर तक सभी को ठोस प्रयास करना होगा।

तिहाड़ जेल की रिपोर्ट को आप ने किया खारिज

● संजय सिंह बोले- भाजपा ने रचा केजरीवाल की ज़िंदगी से खिलवाड़ करने का षड्यंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य के बारे में तिहाड़ जेल अधिकारियों द्वारा किए गए दावों पर कड़ा प्रहार किया। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के बाद अरविंद केजरीवाल का वजन 8.5 किलोग्राम कम हो गया और उनका रक्त शर्करा का स्तर पांच बार 50 मिलीग्राम/डीएल से नीचे चला गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जेल अधिकारियों ने एक कैदी की मेडिकल रिपोर्ट जारी करके अपराध किया है और उनके दावे से असहमत हैं। जेल प्रशासन कई बार दिल्ली के सीएम की मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक कर चुका है। संजय सिंह ने दावा किया कि इससे साबित होता है कि अरविंद केजरीवाल की जिंदगी से खिलवाड़ करने की साजिश रची जा रही है। इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एम्स के डॉक्टरों की टीम केजरीवाल के स्वास्थ्य की जांच कर रही है और उन्हें पता चला है कि केजरीवाल का वजन तेजी से कम हो रहा है और वह हाइपोग्लाइसीमिया से पीड़ित हैं। संजय सिंह ने यह भी कहा कि केजरीवाल का रक्त शर्करा स्तर पांच बार 50 मिलीग्राम/डीएल से नीचे चला गया, जिसके कारण वह कोमा में जा सकते थे या उनकी मृत्यु भी हो सकती थी। तिहाड़ जेल अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित निराधार आरोप लगा रहे हैं और स्पष्ट किया कि जेल में रहने के दौरान उनके रक्तचाप और शर्करा के स्तर की नियमित रूप से निगरानी की जा रही थी। सेंट्रल जेल नंबर 2 के अधीक्षक के कार्यालय के अनुसार, केजरीवाल अदालत के आदेशों के अनुसार, घर का बना खाना सहित चिकित्सकीय रूप से निर्धारित आहार का पालन कर रहे हैं।

ओली ने नेपाल के प्रधानमंत्री पद की ली शपथ

काठमांडू, एजेंसी। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने सोमवार को काठमांडू के शीतल निवास में राष्ट्रपति के आवास पर एक विशेष समारोह में नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। देश के मुख्य कार्यकारी के रूप में यह श्री ओली का चौथा कार्यकाल है। समारोह के दौरान राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने श्री ओली को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। गौरतलब है कि रविवार को राष्ट्रपति पौडेल ने श्री ओली को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार राष्ट्रपति पौडेल ने उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त किया। नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन करने और माओवादी सेंटर के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद श्री ओली नए प्रधान मंत्री बन गए हैं। गत 12 जुलाई को माओवादी सेंटर के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल, प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत जीतने में विफल रहे और उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। राष्ट्रपति के बुलावे के तुरंत बाद 72 वर्षीय श्री ओली अपने नए गठबंधन सहयोगी नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के साथ प्रधानमंत्री पद के लिए दावा पेश करने के लिए राष्ट्रपति कार्यालय पहुंचे थे। कोई अन्य दावेदार नहीं होने के कारण, श्री ओली ने अपने समर्थन में 166 विधायकों (कांग्रेस के 88 और यूएमएल के 78) के हस्ताक्षर प्रस्तुत किए थे। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में, सरकार बनाने के लिए आवश्यक न्यूनतम संख्या 138 है।

केदारनाथ से गायब हुआ 228 किलो सोना? शंकराचार्य के चौंकाने वाले दावे

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली में एक और केदारनाथ मंदिर के शिलान्यास को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राष्ट्रीय राजधानी में केदारनाथ मंदिर के निर्माण पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि वहां प्रतीकात्मक केदारनाथ नहीं हो सकता। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सवाल उठाते हुए कहा कि शिवपुराण में नाम और स्थान सहित 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख किया गया है। जब केदारनाथ का पता हिमालय में है तो वह दिल्ली में कैसे हो सकता है? उन्होंने राजनीतिक कारण गिनाते हुए कहा कि राजनीतिक लोग हमारे धार्मिक स्थलों में प्रवेश कर रहे हैं। शंकराचार्य ने केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह में सोना चढ़ाने के काम में घोटाले का भी आरोप लगाया है। दिल्ली में बनने वाले केदारनाथ मंदिर पर ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाते हुए कहा कि केदारनाथ में सोने का घोटाला हुआ है, उस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया जाता? वहां घोटाला करने के बाद अब दिल्ली में केदारनाथ का निर्माण होगा और फिर एक और घोटाला होगा। केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब है। कोई जांच शुरू नहीं हुई। इसका जिम्मेदार कौन है? अब वे कह रहे हैं कि वे दिल्ली में केदारनाथ बनाएंगे, ऐसा नहीं हो सकता। पिछले साल केदारनाथ मंदिर के एक वरिष्ठ पुजारी ने केदारनाथ मंदिर में सोने की परत चढ़ाने के काम में 125 करोड़ तक के घोटाले का आरोप लगाया था और दावा किया था कि सोने की परत सोने की बजाय पीतल की बनाई गई थी, लेकिन मंदिर समिति ने इस आरोप से इनकार किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट पर हाई कोर्ट में लंबित याचिकाएं अपने पास स्थानांतरित की, 18 को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि मेडिकल और कुछ अन्य विषयों में स्नातक स्तर की कक्षाओं में दाखिले के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 में कथित अनियमितताओं को उच्च न्यायालयों में चुनौती देने वाली याचिकाओं को वह अपने पास पहले से सूचीबद्ध इसी प्रकार की अन्य याचिकाओं के साथ 18 जुलाई को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनटीए की याचिका पर यह आदेश पारित करते हुए कहा कि अदालत वंशिका यादव और अन्य के मामले के साथ गुरुवार 18 जुलाई को इस (उच्च न्यायालय में दायर संबंधित याचिका पर) मामले की सुनवाई करेगी। पीठ ने एनटीए द्वारा दायर स्थानांतरण याचिका (उच्च न्यायालय से उच्चतम न्यायालय में) को नीट यूजी 2024 में अनियमितताओं और मेडिकल प्रवेश परीक्षा की दोबारा परीक्षा की मांग से संबंधित लंबित मामले के साथ जोड़ने का आदेश दिया। पीठ ने कहा, ष्हम गुरुवार को इस पर विचार करेंगे।ष एनटीए के अधिवक्ता ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को स्थानांतरण याचिका में नोटिस जारी करना चाहिए, क्योंकि राजस्थान उच्च न्यायालय इस मामले में आगे की सुनवाई करने जा रहा है। इस पर पीठ ने विभिन्न संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया और इसे अपने समक्ष लंबित अन्य मामलों के साथ जोड़ दिया। शीर्ष अदालत वर्तमान में देशभर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस और आयुष तथा अन्य कुछ संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा 5 मई को आयोजित की गई नीट-यूजी परीक्षा से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। केंद्र सरकार ने हाल ही में शीर्ष अदालत के समक्ष दायर अपने हलफनामे में कहा था कि आईआईटी मद्रास के संबंधित विशेषज्ञों द्वारा नीट के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर कोई गड़बड़ी नहीं हुई है।

सीबीआई जांच के खिलाफ उप मुख्यमंत्री शिवकुमार की याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति बरामद होने के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से अपने खिलाफ दर्ज एक प्राथमिक को चुनौती देने वाली कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सीबीआई की उक्त प्राथमिकी को रद्द करने की मांग वाली शिवकुमार की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

आईएएस पूजा खेडकर के माता पिता हुए फरार, किसानों को धमकाने के आरोप में हुई थी एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। पद के कथित दुरुपयोग को लेकर मीडिया की नजरों में आईं प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के माता-पिता अब पुलिस से बचते नजर आ रहे हैं। यह घटना उस वीडियो के बाद हुई है जिसमें उनकी मां मनोरमा खेडकर एक किसान को भूमि विवाद को लेकर बंदूक से धमकाती नजर आ रही हैं। वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुणे पुलिस ने मनोरमा और उनके पति दिलीप खेडकर सहित पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुणे पुलिस ने सोमवार को कहा कि भूमि विवाद को लेकर मनोरमा खेडकर के खिलाफ दर्ज मामले के संबंध में वह उनसे संपर्क नहीं कर पाई है।

पीएम मोदी से मिले झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन, जेल से रिहाई बाद पहली मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, ष्झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।ष पांच महीने जेल में बिताने और जेल से रिहा होने तथा फिर से मुख्यमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। आपको बता दें कि झारखंड में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इस चुनावी मौसम के बीच, झारखंड के मुख्यमंत्री की दिल्ली यात्रा और पीएम मोदी के साथ उनकी मुलाकात ने कई चर्चाओं को जन्म दिया है। इससे पहले 13 जुलाई को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और आप सांसद संजय सिंह ने झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की थी। सोरेन ने राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से भी मुलाकात की। कांग्रेस और झामुमो इंडिया गुट में सहयोगी हैं और लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़े थे। 8 जुलाई को, तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के कुछ दिनों बाद, सोरेन ने राज्य विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान फ्लोर टेस्ट जीता। हेमंत सोरेन ने अपने पक्ष में 45 विधायकों के वोट के साथ विश्वास मत जीत लिया। अपनी गिरफ्तारी को लेकर हेमंत सोरेन लगातार केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावा रहे हैं। वह भाजपा पर आदिवासियों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते रहे हैं।

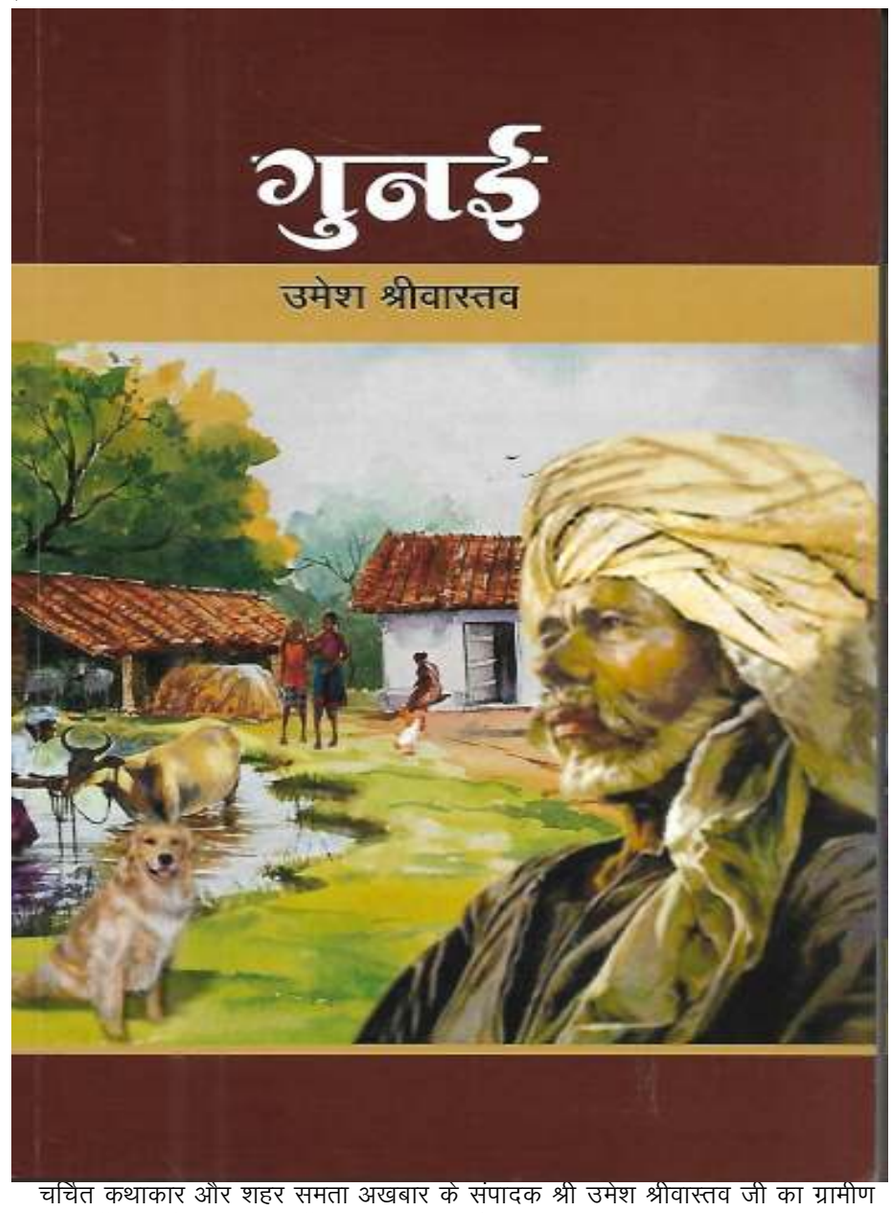

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

संगमनगरी में यह कैसा चौड़ीकरण, किसी पर दरियादिली तो कहीं बेरहम

प्रयागराज। महाकुंभ के तहत घनी आबादी वाले पुराने शहर में सड़क चौड़ीकरण के लिए दर्जनों भवनों को तोड़कर छोड़े जाने से मुसीबत खड़ी हो गई है। इससे लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। चाहे रसूख की वजह हो या कोई और। यानी कहीं रहमदिली तो कहीं बेरहमी सामने आई है। चौड़ीकरण की जद में आए कई भवनों के सामने ध्वस्तीकरण के नाम पर खानापूरी कर छोड़ दिया गया है, तो कहीं चबूतरों, बरामदों और दीवारें तोड़कर छोड़ दी गई हैं। हालत यह है कि निर्माण तो दूर, महीनों से घरों के सामने सड़कों की पटरियों पर लगा मलबा तक नहीं हटाया जा सका है। इससे लोग पस्त हो गए हैं। पुराने शहर में चौड़ीकरण के नाम पर पीडीए पर भेदभाव के आरोप भी लग रहे हैं। कीडगंज में शिव चरणलाल रोड, मान सरोवर से सुलाकी चौराहा, केपी कक्कड़ रोड, मान सरोवर से चंद्रलोक चौराहा, हिंदी साहित्य सम्मेलन मार्ग यानी चंद्रलोक से राम भवन चौराहे के बीच के निवासियों ने पीडीए उपाध्यक्ष को पत्र देकर चौड़ीकरण में तोड़फोड़ की कार्रवाई में भेदभाव की शिकायत की है। यहां के निवासियों का कहना है कि उनकी गुहार नहीं सुनी जा रही है। अशोक कुमार जायसवाल, वीरेंद्र कुमार, दिलीप अग्रवाल और साधना केसरवानी बताती हैं कि पीडीए के ठेकेदार बेतरतीब ढंग से चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के नाम पर तोड़फोड़ और खोदाई कर छोड़ दे रहे हैं। जगह–जगह गड्ढे खोदकर नाली बनवाने के लिए छोड़ दिया गया है। मलबा सड़कों पर पड़ा है। इस इलाके के कारोबारी पंकज रस्तोगी और नवल किशोर अग्रवाल चौड़ीकरण की बात आते ही अपनी पीड़ा बयां करने लगते हैं। वह बताते हैं कि शिव चरण लाल रोड, केपी कक्कड़ मार्ग और सम्मेलन मार्ग के भवन घनी आबादी का हिस्सा हैं। इन भवनों का निर्माण 1973 के पूर्व इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की ओर से बनाई गई तत्कालीन महायोजना के प्रवाधानों के तहत कराया गया है। हाल के दिनों में पीडीए की ओर से यहां के भवन स्वामियों को नोटिस देकर सड़क चौड़ीकरण के लिए बरामदों के ध्वस्तीकरण के लिए दबाव बनाया जा रहा है। जबकि कुंभ मेला मार्ग के रूप में चिह्नित जीटी रोड से कोठापार्चा मार्ग, सुलाका चौराहा से बांसमंडी के बीच चौड़ीकरण न करके सिर्फ नाली निर्माण कराया जा रहा है। इससे पहले इन सड़कों पर लाल निशान लगाकर भवनों को तोड़ने का नोटिस जारी किया गया था। इसी तरह आनंद जायसवाल, सुरेश प्रसाद, प्रदीप केसरवानी, माधुरी सिंह और कृष्ण मुरारी अग्रवाल का कहना है कि इस तरह के बरामदे घंटाघर से मानसरोवर चौराहा, हीवेट रोड से स्टेशन तक, जानसेनगंज चौराहे से साउथ मलाका सब्जी मंडी तक और घंटाघर से जानसेनगंज चौराहे तक देखे जा सकते हैं। महाकुंभ के तहत पीडीए ने 41 सड़कों के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण की योजना बनाई है। इसमें पुराने शहर के जोन तीन में 554 भवन चौड़ीकरण की जद में हैं। पीडीए चौड़ीकरण योजना में किसी के साथ भेदभाव नहीं कर सकता। पुराने शहर में अगर कहीं इस तरह की शिकायत है तो इसकी जांच कराई जाएगी। एलाइनमेंट के अनुसार ही चौड़ीकरण का काम कराया जाएगा। – अरविंद चौहान, उपाध्यक्ष, प्रयागराज विकास प्राधिकरण।

कोठापार्चा से कीडगंड होते हुए बैरहना तक	गोविंदपुर सब्जी मंडी–कोटेश्वर महादेव मंदिर शिवकुटी
नैनी रेलवे स्टेशन–अरैल घाट मार्ग	सलोरी में अन्नपूर्णा–फैमिली मार्ट–शुक्ला मार्केट
खरकौनी चौराहा–अरैल रोड	आईईआरटी पुलिया–गंगा घाट
एडीए मोड़ नैनी–एडीए कॉलोनी	छतनाग रोड–छतनाग घाट
एडीए कॉलोनी–अरैल घाट	एंमजी मार्ग–एसआरएन अस्पताल
कटका तिराहा–झूंसी बस स्टैंड	नया यमुना पुल–बंधा रोड
झूंसी बस स्टैंड–गंगा नदी तट	पुराना यमुना पुल–लेप्रोसी चौराहा
झूंसी में लोटस अस्पताल–कटका रोड	आजाद पार्क– गेट 6–संगम पेट्रोल पंप क्रॉसिंग
संगम वाटिका–रसूलाबाद घाट मार्ग	पुराने यमुना पुल के नीचे बाईपास
इविंग क्रिश्चियन कॉलेज–नूरुल्लाह रोड	लेप्रोसी चौराहा–नैनी रेलवे स्टेशन
फाफामऊ शांतिपुरम सेक्टर–ए–बेला कछार	नैनी रेलवे स्टेशन–मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग
आईईआरटी– सादियाबाद –सलोरी–सब्जी मंडी– तेलियरगंज चौराहा	प्रयागराज–मिर्जापुर राजमार्ग–छिवकी रेलवे स्टेशन
सलोरी में गंगेश्वर महादेव मंदिर के आसपास	छिवकी रेलवे स्टेशन गेट–2–सीओडी क्रॉसिंग

देश का पहला हाइड्रोजन क्रूज पहुंचा काशी

वाराणसी–चुनार के बीच चलेगा 50 सीटर शिप, 2500 रुपए होगा टिकट, वेज फूड मिलेगा

वाराणसी। ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाला देश का पहला क्रूज वाराणसी पहुंच गया है। कोलकाता के कोच्चि शिपयार्ड से जलमार्ग के जरिए शिप रविवार देर शाम नमो घाट पहुंचा। पर्यटन विभाग की निगरानी में रामनगर मल्टी–मॉडल टर्मिनल राल्हूपुर में खड़ा किया गया। यहीं पर शिप की सजावट और लाइटिंग का काम किया जाएगा। यह डबल डेकर कैटामरान क्रूज जून के अंतिम सप्ताह में कोलकाता से चला था। रास्ते में कम पानी होने की वजह से उसे कई जगह रोकना पड़ा। इसके चलते जलयान को आधा सफर पूरा करने में ज्यादा समय लगा।

50 सीटर शिप वाराणसी से चुनार के बीच चलेगा

इस जलयान को पर्यटन विभाग वाराणसी से मिर्जापुर के चुनार के बीच करीब 15 किमी की दूरी में चलाएगा। यात्रा का समय सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक है। यात्रा नमो घाट से शुरू होगी। 2500 रुपए प्रति व्यक्ति किराया प्रस्तावित है। हालांकि अभी इस पर अंतिम मुहर लगनी बाकी है।

पर्यटकों को दी जाएगी ऐतिहासिक जानकारी

रास्ते में पर्यटकों को गंगा घाट, शूलटंकेश्वर मंदिर समेत कई ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद सैलानियों को चुनार किला ले जाया जाएगा, जहां पर गाइड किले के इतिहास से रुबरू कराएंगे। इसमें पर्यटकों के मनोरंजन का भी खास ख्ध्याल रखा गया है। यात्रा के दौरान सभी यात्रियों को शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। इसमें ब्रेक फास्ट, लंच और शाम का स्नेक्स शामिल होगा। क्रूज में लाइव म्यूजिक का भी आयोजन होगा। पर्यटकों की डिमांड के अनुसार और भी पैकेज को शामिल किया जा सकता है। यात्रा के पश्चात सभी यात्रियों को बनारस लाकर छोड़ा जाएगा।

यहां 6 महीने ट्रायल कोच्चि शिपयार्ड करेगा

कोच्चि शिपयार्ड से हाइड्रोजन क्रूज को पेरियार–3 और फेसकी–2 क्रूज के साथ रवाना किया गया था। जलयान समुद्र के रास्ते कोलकाता फिर कोलकाता से गंगा के रास्ध्ते लंबी दूरी तय कर वाराणसी पहुंचा। भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, कोच्चि शिपयार्ड इसे छह महीने ट्रायल के तौर पर चलाएगा। अपने स्तर से हाइड्रोजन गैस की व्यवस्था करेगा। ट्रायल पूरा होने के बाद जलयान को पर्यटन विभाग अपनी निगरानी में संचालित करेगा। किराया और रूट निर्धारण किया जाएगा।

इलेक्ट्रिक इंजन से भी लैस है क्रूज : यह शिप पूरी तरह हाइड्रोजन फ्यूल से चलेगा, लेकिन हाइड्रोजन खत्म होने या कुछ खराबी आने पर विकल्ध्प के रूप में इलेक्ट्रिक इंजन भी लगाया गया है। क्रूज मेट्रो ट्रेन के कोच जैसा दिखता है। यह मजबूत और हल्के प्लास्टिक से बना है। इसमें 50 किलोवाट का फ्यूल सेल है जो हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का यूज करके बिजली बनाता है। फ्यूल सेल क्रूज के लिए अच्छा विकल्प है, क्योंकि यह छोटा, हल्का और ज्यादा गर्म नहीं होता। इसे कुछ कारों और बसों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

ग्रीन हाइड्रोजन क्या होता है? : ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों में न ध्वनि प्रदूषण होता है, न ही वायु प्रदूषण। ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी का सबसे साफ सोर्स है। ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी बनाने के लिए पानी से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग किया जाता है। इस प्रोसेस में इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग होता है। इलेक्ट्रोलाइजर रिन्यूएबल एनर्जी (सोलर, हवा) का इस्तेमाल करता है। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग ट्रांसपोर्ट, केमिकल, आयरन सहित कई जगहों पर किया जा सकता है।

हाइड्रोजन प्लांट होंगे स्थापित

इंडियन वॉटरवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया जलयान के संचालन को पर्याप्त हाइड्रोजन मिल सके, इसके लिए रामनगर मल्टीमॉडल टर्मिनल पर ही अस्थायी प्लांट स्थापित कर रहा है। प्राधिकरण की तरफ से रोज 1500 किलो गैस उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उत्पादन शुरू करने के लिए दो कंपनियों से बातचीत हुई है। भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण का प्रयास है कि हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन स्थायी हाइड्रोजन प्लांट स्थापित किए जाएं। क्रूज को मल्टीमॉडल टर्मिनल रामपुर के राल्हूपुर में खड़ा कराया जाएगा। टर्मिनल पर ही अस्थायी प्लांट स्थापित करने की दिशा में काम जारी है। यहीं से सिलेंडर में भरकर हाइड्रोजन जलयान तक पहुंचाए जाएंगे और नदी में संचालन किया जाएगा। नोएडा IWAI के मुख्य अभियंता तकनीकी विजय कुमार दियलानी ने बताया, शुरुआत में कोच्चि शिपयार्ड अपने स्तर से हाइड्रोजन गैस की व्यवस्था करेगा। लेकिन, बाद में स्थायी प्लांट स्थापित करने के लिए कंपनियों से बात चल रही है।

सितंबर में इलेक्ट्रिक क्रूज लाने की तैयारी

कोच्चि शिपयार्ड के महाप्रबंधक शिवराम ने बताया– वाराणसी, मथुरा और अयोध्या को एक–एक और इलेक्ट्रिक क्रूज मिलेगा। कोलकाता में इसे बनाया जा रहा है। सितंबर के अंतिम सप्ताह से इसे भेजा जाएगा।

वाराणसी और अयोध्या में एक–एक क्रूज पहले ही है। अब जो नए क्रूज बन रहे हैं, उनमें कई बदलाव किए गए हैं। तकनीकी रूप से बेहतर किया जा रहा है। डिजाइन भी बदली रहेगी। बालकनी समेत कई सुविधाएं लोगों को दी जाएंगी।

माध्यमिक विद्यालयों की होगी ऑनलाइन मॉनिटरिंग

प्रयागराज। अब राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था शुरू होगी। मंडल के प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी और फतेहपुर जनपद के राजकीय माध्यमिक

विद्यालयों में जल्द ही यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। प्रयागराज मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक दिब्यकांत शुक्ल की ओर से यह पहल शुरू की जा रही है। दरअसल, माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने के उद्देश्य से यह सिस्टम लागू किया जा रहा है। क्लॉसरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों के आईपी एड्रेस मांग लिए गए हैं। प्रयागराज स्थित जेडी कार्यालय में इसके लिए कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। यहां की टीम बैठकर सीधे स्कूलों की मॉनिटरिंग करेगी।

यूपी बोर्ड की तर्ज पर होगी मॉनिटरिंग

दरअसल, यूपी बोर्ड के सचिव रहते दिब्यकांत शुक्ल ने यही व्यवस्था बोर्ड के एग्जाम में किया था। सभी सेंटरों पर सीसीटीवी के जरिए एग्जाम की मॉनिटरिंग की गई। इसका कंट्रोल रूम यूपी बोर्ड मुख्यालय बनाया गया था। यहां एक मजबूत टीम लगातार एग्जाम रूम व स्ट्रांग रूम की निगरानी कर रही थी। यह प्रयोग सफल भी रहा और नकलविहीन परीक्षा कराने में यूपी बोर्ड के तत्कालीन सचिव को सफलता भी मिली। अब वही प्रयोग क्लॉस रूम के लिए भी किया जा रहा है। इसके लिए जेडी की ओर से चारों जनपदों के क्ष्ै को निर्देशित किया गया है।

उपेन्द्र जोशी ने जीएम एनसीआर का चार्ज संभाला

प्रयागराज और आगरा के अफसरों के साथ की बैठक, यात्रियों की समस्याओं को दूर करने के दिए निर्देश

प्रयागराज। भारतीय रेल यातायात सेवा के अधिकारी उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने सोमवार को उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के महाप्रबंधक का पदभार संभाल लिया। चार्ज संभालने के बाद दोपहर में जीएम ने रेलवे के अफसरों संग बैठक कर कई दिशा निर्देश दिए। इससे पहले वे प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक उत्तर रेलवे के पद पर कार्यरत थे। महाप्रबंधक 1988 बैच के अधिकारी हैं और उन्होंने भारतीय रेल में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। यातायात से संबंधित मुद्दों के अलावा उन्हें सामान्य प्रशासन में भी अनुभव है। उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने अपनी रेल सेवा की शुरुआत सहायक परिचालन प्रबंधक समस्तीपुर के रूप में की। उसके बाद डीओएम और डीसीएम लखनऊ के रूप में कार्य किया। उसके बाद सीनियर डीओएम वाराणसी और इज्जतनगर मंडलों के रूप में पदस्थापित हुए।

कई प्रमुख पदों पर रहें हैं जोशी : उन्होंने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक और उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के रूप में भी काम किया है। फिर उन्होंने उत्तर पश्चिम मुख्यालय में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक और सीनियर डीसीएम जोधपुर के रूप में भी काम किया। उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने उत्तर रेलवे में सीसीएम, आईटी के पद पर कार्य किया और क्रिस में भी कार्य किया, जहां उन्होंने परियोजना प्रमुख के रूप में नियंत्रण कार्यालय एप्लीकेशन (सीओए) के कार्यान्वयन एवं एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप रेलवे परिचालन का केन्द्र माने जाने वाले नियंत्रण कार्यालयों का ऑटॉमेशन हुआ। सीओए राष्ट्रीय रेल पूछताछ प्रणाली का आधार है, जो भारतीय रेल यात्रियों को वास्तविक समय पर ऑनलाइन रेलगाड़ियों की जानकारी देता है। उन्होंने रेलवे बोर्ड में ईडीपीएम, कोटा मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तथा खान मंत्रालय में संयुक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया।

कई मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े : उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। इसमें कई मंडलों के रेल प्रबंधक भी वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े थे। उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं बताईं। कहा कि पिछले 10 वर्षों में बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं के मोर्चे पर सुधार आया है। इन प्रयासों के प्रति जनता के रुझान के कारण, ग्राहक इंटरफेस में सुधार हुआ है। कर्मचारियों के व्यवहार में भी सुधार हुआ है, पहले वे मात्र रेलवे के लिए काम करते थे, अब हमारे फ्रंटलाइन कर्मचारी सम्मानित ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए काम करते हैं। वर्तमान में हमारे सामने अपने ग्राहकों को वास्तविक समय पर प्रतिक्रिया प्रदान करने की चुनौती है, हम सभी को चुनौती से निपटने, प्रश्नों और शिकायतों का समय पर निवारण सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। हमें संरक्षायुक्त परिचालन भी सुनिश्चित करना चाहिए और जनता में विश्वास पैदा करना चाहिए।

प्रयागराज में महिला की हत्या कर तेजाब से जलाया

बोरी में पैक कर शव नाले में फेंका, लाश के आसपास मंडरा रहे थे कुत्ते

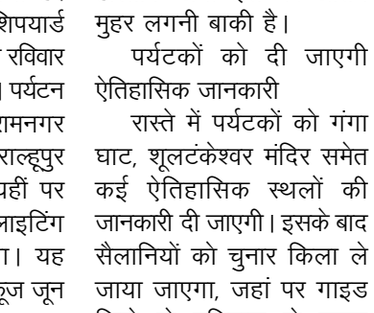

प्रयागराज। प्रयागराज के गंगापार इलाके में रविवार को महिला की लाश मिली। हत्या कर चेहरे और शरीर को तेजाब से जलाया गया है। बदबू आने पर गांव वालों ने देखा तो नाले में एक प्लॉस्टिक की बोरी पड़ी थी। आसपास कुत्ते मंडरा रहे थे।

करीब गए तो बोरी को कुत्तों ने नोंचा था, जिसमें डेड बॉडी पैक थी। शव के कुछ दूरी पर खून से लथपथ प्लास्टिक का थैला मिला है। थाना प्रभारी झूंसी उपेंद्र सिंह ने बताया– हत्या कहीं और करने के बाद शव को झूंसी के पूरे सूरदास कछार स्थित नाले में लाकर फेंका गया है। शिनाख्त के लिए प्रयास किया जा रहा है। महिला की उम्र करीब 35 साल है। साथ ही इस तरफ आने वाली सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। महिला के शव से सोने की चेन लटकी हुई मिली है। चांदी का पायल भी पैरों में फंसा था। आशंका है कि रेप के बाद हत्या की गई है। लाश कार से नीचे फेंकने का शक है।

3–4 दिन पुराना लग रहा शव : मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाया। खोजी कुत्ता कुछ दूर जाने के बाद रुक गया। पुलिस का मानना है कि शनिवार की देर रात शव को लाकर फेंका गया होगा। फोरेंसिक टीम की जांच में पता चला कि महिला की मौत तीन से चार दिन पहले हो गई थी। इस वजह से शव फूलने के साथ ही सड़ने लगा था। हत्या के बाद शव कहीं छिपाकर रखा गया। फिर रात में मौका मिलते ही इसे बोरी में भरकर यहां फेंक दिया।

ऑनलाइन शॉपिंग की पैकिंग वाली बोरी थी : महिला का शव जिस बोरी में मिला, वह ऑनलाइन शॉपिग की पैकिंग वाली थी। कंपनी घरेलू सामानों को प्लास्टिक की बोरी में भरकर होम डिलीवरी करती है। पुलिस ने जिले के सभी थानों के साथ आसपास के जिलों में भी सूचना और फोटो भेज दी गई है।

प्रयागराज के डाकघर में करोड़ों का घोटाला

एजेंट रुपए जमा करने को लेता रहा, डाकघर के खाते की पासबुक पर फर्जी चढ़ाता रहा

प्रयागराज। प्रयागराज में डाकघर से जुड़े एजेंट द्वारा कई करोड़ रुपए गबन करने का मामला सामने आया है। दारागंज थाने में सहायक अधीक्षक डाक घर दक्षिणी उपमंडल दारागंज

अर्जित कुमार सोनी ने गबन की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एजेंट नीति श्रीवास्तव, उसकी भाभी गौरी और एक अन्य (अब मृत) के खिलाफ गबन, धोखाधड़ी, कूटरचना समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ है। दारागंज पुलिस एफआईआर लिखकर मामले की जांच कर रही है। मामला एजेंट द्वारा निवेशकों के करोड़ों रुपये गबन कर फर्जी पासबुक आदि बनाने का है। ग्राहकों की शिकायत पर डाक विभाग ने जांच कराई तो घोटाला पकड़ में आ गया। दारागंज डाकघर में कुछ ग्राहक पासबुक लेकर बचत योजनाओं में जमा राशि के बारे में पड़ताल करने पहुंचे तो जानकारी हुई उनका खाता तो डाकघर में है ही नहीं। जबकि ग्राहक एजेंट निखिल श्रीवास्तव को हर माह रकम देते रहे।

ग्राहकों से लेता रहा रुपए, पासबुक में किया खेल

असल में एजेंट ग्राहकों से रुपये लेता रहा और पासबुक पर फर्जी तरीके से डिटेल डालता रहा। एक के बाद एक कई ऐसे ग्राहक एजेंट की शिकायत लेकर पहुंचे। एजेंट द्वारा करोड़ों रुपये के घोटाले का मामला सामने आया तो महकमें में खलबली मच गई। शिकायत पर विभागीय जांच हुई। जांच के बाद इस मामले में शनिवार शाम सहायक अधीक्षक डाकघर दक्षिणी उपमंडल दारागंज अर्जित कुमार सोनी ने दारागंज थाने में तहरीर दी। आरोप है कि नीति श्रीवास्तव निवासी अलोपीबाग ने दारागंज उपडाकघर में एजेंट की एजेंसी ली थी। उसने दारागंज निवासी भाई निखिल व भाभी गौरी श्रीवास्तव के साथ मिलकर ग्राहकों से रुपये लिए, लेकिन इसे डाकघर में जमा नहीं किया।आरोपियों ने मिलकर करोड़ों रुपये का गबन किया। इतना ही नहीं ग्राहकों को फर्जी पासबुक भी दी गई थी। निखिल की मौत हो चुकी है। थाना प्रभारी डाकघर तुषार दत्त त्यागी ने बताया कि तहरीर के आधार पर निखिल, नीति व गौरी श्रीवास्तव के खिलाफ धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट 5 दिन बाद खुला

सैकड़ों मामलों की हुई सुनवाई, पास बनवाने को वादकारियों की लंबी लाइन

प्रयागराज। 5 दिन बंद रहने के बाद सोमवार को हाईकोर्ट खुला। ऐसे में वादकारियों को बड़ी राहत मिली है। प्रदेश के अलग

अलग जिलों से पैरवी के लिए आने वाले वादकारी लौट रहे थे। अब सोमवार को कोर्ट बैठने से और वकीलों के कामकाज पर लौट आने से सबको राहत मिली है। 5 दिन बाद कोर्ट खुलने से सुबह से ही गहमागहमी का आलम रहा। हाईकोर्ट में एंट्री के लिए पास, पर्ची बनवाने के लिए लंबी लाइन लगी रही। तमाम वकील अपने मुअक्किल को साथ लेकर पास बनवाने में लगे रहे। हाईकोर्ट के सभी गेटों पर वकीलों की भीड़ रही। माना जा रहा है कि 5 दिन बाद कोर्टों में सैकड़ों मामलों की सुनवाई हो रही है। यूं तो लिस्टिंग पर हजारों मामले हैं लेकिन 5 दिन सुनवाई न होने से जिन मुकदमों की तारीखें लगीं थीं वह भी लटक गए थे।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **N.P.B. रिवॉल्वर पिस्टल का लाइसेंस संख्या 821/थाना-खुल्दाबाद प्रयागराज** वास्तव में **खो गया है।**

लक्ष्मण प्रसाद, पुत्र - श्री सरजू प्रसाद

निवासी - 8/16, भावापुर, थाना - खुल्दाबाद, प्रयागराज।

संक्षिप्त

TCS इस साल 40,000 फ्रेशर्स को नियुक्त करेगी: 'भारत प्रतिभाओं का गंतव्य है'

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने चालू वित्त वर्ष में लगभग 40,000 फ्रेशर्स को नियुक्त करने की योजना बनाई है, कंपनी ने कहा। अकेले जून तिमाही में, कंपनी ने 5,452 कर्मचारियों को जोड़ा, जिससे इसके कुल कर्मचारियों की संख्या 606,998 हो गई। टीसीएस के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी मिलिंद लक्कड़ ने कहा, भारत प्रतिभाओं के लिए गंतव्य है, और निकट भविष्य में यह बदलने वाला नहीं है। मैं भारतीय प्रतिभाओं के लिए सकारात्मक भविष्य के बारे में बहुत आश्वस्त हूं। नौकरियों पर एआई के प्रभाव के बारे में बात करते हुए, मिलिंद लक्कड़ ने कहा कि टीसीएस के कर्मचारी अनुकूलन करने में माहिर हैं। यह तब भी हुआ जब कंपनी ने हाल ही में कार्यालय में उपस्थिति को एकीकृत करने के लिए अपनी परिवर्तनीय वेतन नीति को अपडेट किया। मिलिंद लक्कड़ ने कहा कि जबकि लगभग 70% कर्मचारी कार्यालय लौट आए हैं यह विचार दंडात्मक नहीं है बल्कि कार्यालय में उपस्थिति को सकारात्मक रूप से प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा, हम एक ऐसे बिंदु पर आ गए हैं जहाँ सिर्फ़ 70% से ज़्यादा संख्या के साथ मैं बहुत खुश हूँ। हम एक तिमाही, दो तिमाहियों, तीन तिमाहियों या साल भर के लिए काम जारी रखेंगे या नहीं, यह हम तय करेंगे। यह ऐसा कुछ नहीं है जो हम लोगों को सज़ा देने के लिए करना चाहते हैं। यह अब तक का हमारा आखिरी उपाय है। आखिरी उपाय जो हमने मूल रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए किया है कि जो लोग काम पर आने के महत्व को नहीं समझते हैं या अभी तक नहीं समझ पाए हैं, वे समझें। उन्होंने कहा, जो भी परिवर्तनीय वेतन लिया जाता है, उसे आने वाले लोगों को वापस दे दिया जाता है। ऐसा नहीं है कि कंपनी उस पैसे का किसी और तरीके से उपयोग कर रही है, बल्कि यह लोगों के पास वापस जा रहा है।

चीन की अर्थव्यवस्था 2024 की दूसरी तिमाही में रही धीमी

चीन की अर्थव्यवस्था 2024 की दूसरी (अप्रैल–जून) तिमाही में 4.7 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ी, जो पूर्वानुमान से कम है। सरकारी रिपोर्ट में सोमवार को यह जानकारी दी गई। यह वर्ष की पहली (जनवरी–मार्च) तिमाही में देखी गई 5.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से भी काफी कम है। अर्थशास्त्रियों ने बताया

कि कमजोर उपभोक्ता मांग और कम सरकारी खर्च के कारण वृद्धि प्रभावित हो रही है। वर्ष की पहली (जनवरी–जून) छमाही में अर्थव्यवस्था पांच प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो सरकार द्वारा निर्धारित (पांच प्रतिशत) वृद्धि लक्ष्य के अनुरूप है।

सरकार एमटीएनएल के बॉन्ड ब्याज का भुगतान करेगी, कोई चूक नहीं होगी : सूत्र

नयी दिल्ली । सरकार महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) के बॉन्ड बकाया का भुगतान करेगी। दूरसंचार विभाग के एक सूत्र ने भरोसा दिया कि कोई चूक नहीं होगी, और यह राशि 20 जुलाई की तय तारीख से पहले चुका दी जाएगी। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे एमटीएनएल के सामने खड़ा संकट टल जाएगा। कंपनी ने बढ़ते वित्तीय संकट के बीच इस सप्ताह शेयर बाजार को बताया था कि वह अपर्याप्त कोष के कारण कुछ बॉन्डधारकों को ब्याज का भुगतान करने में असमर्थ है। यह ब्याज 20 जुलाई, 2024 को देय है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के सूत्रों ने कहा कि सरकार कदम उठाएगी और उक्त बकाया का भुगतान करेगी, और जोर देकर कहा कि इसपर कोई चूक नहीं होगी। सूत्रों ने कहा, ''बकाया राशि का भुगतान तय तारीख से पहले किया जाएगा।'' एमटीएनएल, दूरसंचार विभाग और बीकन ट्रस्टीशिप लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौते (टीपीए) के अनुसार, एमटीएनएल को देय तिथि से 10 दिन पहले एस्क्रो खाते में पर्याप्त राशि के साथ अर्धवार्षिक ब्याज का भुगतान करना होगा। एमटीएनएल ने कहा कि टीपीए के प्रावधानों के मद्देनजर, यह सूचित किया जाता है कि अपर्याप्त कोष के कारण, एमटीएनएल एस्क्रो खाते में पर्याप्त राशि जमा नहीं कर सकी है।

भारतीय एसी उद्योग का आकार अगले चार साल में दोगुना होने का अनुमान : ब्लू स्टार

नयी दिल्ली। भारत में एयर कंडीशनर (एसी) उद्योग लगभग 27,500 करोड़ रुपये (3.3 अरब डॉलर) का है और इसके अगले चार साल में दोगुना होने की संभावना है। एसी कंपनी ब्लू स्टार ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही है। ब्लू स्टार के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) वीर एस आडवाणी ने कहा कि भारतीय एचवीएसीएंडआर (हीटिंग, वेंटिलेटिंग, एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेटिंग) उद्योग तेजी से वृद्धि के लिए तैयार है। यह वृद्धि घरेलू एसी की "कम पहुंच" और "उच्च व्यय योग्य आय" वाले मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या, विशेष रूप से तीसरी, चौथी और पांचवीं श्रेणी के शहरों के बाजारों से आने वाले उपभोक्ताओं जैसे कारकों से प्रेरित होगी। आडवाणी ने 2023–24 की सालाना रिपोर्ट में कंपनी के शेयरधारकों से कहा, "भारतीय एसी उद्योग (घरेलू और वाणिज्यिक दोनों) का वर्तमान मूल्य लगभग 27,500 करोड़ रुपये है, जो अगले चार वर्षों में दोगुना होने का अनुमान है।" कंपनी अपने भविष्य के व्यावसायिक परिदृश्य के बारे में आशावादी है, क्योंकि मौसम का रुझान बदल रहा है, जिससे गर्मियां बढ़ रही हैं, तथा आवासीय और वाणिज्यिक एयर–कंडीशनिंग में एक नया और मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो भी सामने आया है।

अब भारत के सामने श्रीलंका की चुनौती, दोनों टीमों के बीच होंगे 6 मैच, जानें पूरा शेड्यूल

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टी20टीम में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं होगा जबकि वनडे टीम पूरी तरह से बदली नजर आएगी। टी20आई सीरीज की बात करें तो इसमें हो सकता है कि टीम की कमान हार्दिक पंड्या के कंधों पर हो जबकि वनडे सीरीज में केएल राहुल कप्तान की भूमिका में रहे।

भारत का जिम्बाब्वे दौरा सुखद रहा और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने 5 टी20आई सीरीज को 4–1 से जीत लिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए इस टी20आई सीरीज के बाद अब टीम इंडिया श्रीलंका दौरे पर जाएगी। जहां दोनों टीमों के बीच 6 मैच खेले जाएंगे। इनमें तीन टी20आई मैच जबकि 3 वनडे मैच होंगे।

भारत–श्रीलंका मैच का पूरा शेड्यूल

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टी20टीम में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं होगा जबकि वनडे टीम पूरी तरह से बदली नजर आएगी। टी20आई सीरीज की बात करें तो इसमें हो सकता है कि टीम की कमान हार्दिक पंड्या के कंधों पर हो जबकि वनडे सीरीज में केएल राहुल कप्तान की भूमिका में रहे। श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी जैसे रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है ऐसे में ये सभी इस दौरे पर नजर नहीं आएंगे। भारत और श्रीलंका के बीच पहले 3 मैचों की टी20आई सीरीज खेली जाएगी। जिसका पहला मुकाबला 27 जुलाई से होगा जबकि दूसरा मैच 28 जुलाई को खेला जाएगा। इस सीरीज का तीसरा मैच 30 जुलाई को होगा। इसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा जिसकी शुरुआत 2 अगस्त से होगी। जबकि वनडे सीरीज का दूसरा मैच 4 अगस्त को तो वहीं तीसरा मैच 7 अगस्त को खेला जाएगा। श्रीलंका दौरे पर टी20 मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से खेले जाएंगे जबकि वनडे मैचों का आयोजन दोपहर 2.30 बजे से होगा।

भारत–श्रीलंका टी20आई सीरीज

पहला टी20आई मैच– 27 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे

दूसरा टी20आई मैच– 28 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे

तीसरा टी20 मैच– 30 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे

भारत–श्रीलंका वनडे मैचों का शेड्यूल

पहला वनडे मैच– 2 अगस्त, कोलंबो, दोपहर 2.30 बजे

दूसरा वनडे मैच– 4 अगस्त, कोलंबो, दोपहर 2.30 बजे

तीसरा वनडे मैच– 7 अगस्त, कोलंबो, दोपहर 2.30 बजे

शुभमन गिल का कारनामा, 5 मैचों की टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा

शुभमन गिल 5 मैचों की टी20आई सीरीज में भारत के लिए बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इसके साथ ही गिल भारत की तरफ से 5 मैचों की टी20आई में ओवरऑलर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए जहां पहले सूर्यकुमार यादव थे। सूर्यकुमार यादव अब तीसरे नंबर पर चले गए।

शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने पहली बार कोई टी20आई सीरीज खेली और जीती। बतौर कप्तान गिल ने टी20आई में अपनी शुरुआत काफी अच्छी तरह से की और उनकी कप्तानी भी इस सीरीज में अच्छी दिखी। उन्होंने बतौर कप्तान मैदान पर परिस्थिति के मुताबिक फैसले किए और इसका परिणाम सुखद रहा साथ ही साथ उन्होंने फ्रंट पर रहते हुए पूरी टीम को लीड किया। जिम्बाब्वे दौरे पर भारत को 5 मैचों की सीरीज में 4–1 से जीत मिली और कप्तान के रूप में सफल रहने वाले गिल बल्लेबाज के रूप में भी इस दौरे का यादगार बनाने में सफल रहे।

सूर्यकुमार यादव को पछाड़ा

बता दें कि, शुभमन गिल ने जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के लिए 5 मैचों में 170 रन बनाए और वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर रहे। गिल 5 मैचों की टी20आई सीरीज में भारत के लिए बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इसके साथ ही गिल भारत की तरफ से 5 मैचों की टी20आई में ओवरऑलर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए जहां पहले सूर्यकुमार यादव थे। सूर्यकुमार यादव अब तीसरे नंबर पर चले गए।

विराट कोहली का रिकॉर्ड बरकरार

भारत के लिए 5 मैचों की टी20आई सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ 231 रन बनाए थे। वहीं जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों में 170 रन बनाकर शुभमन गिल ने दूसरे नंबर पर कब्जा जमा लिया जबकि साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 144 रन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव अब तीसरे नंबर पर चले गए हैं।

5 मैचों की टी20 सीरीज में भारत के कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन

231 रन– विराट कोहली अे इंग्लैंड, 2021

170 रन– शुभमन गिल अे जिम्बाब्वे, 2024

144 रन– सूर्यकुमार यादव अे ऑस्ट्रेलिया, 2023

सचिन तेंदुलकर भी कार्लोस अल्काराज के हुए फैन, बोले- अब से टेनिस पर एक ही राज करेगा...

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन 2024 का खिताब जीतने वाले स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज की जमकर तारीफ की है। साथ ही उन्होंने इस 21 साल के युवा खिलाड़ी को भविष्य का सितारा बताया है। सचिन ने कहा कि अल्काराज अब टेनिस पर राज करने वाले हैं। बता दें कि, अल्काराज ने विंबलडन 2024 के फाइनल में रविवार रात नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों (6–2, 6–2, 7–6) में हराकर लगातार दूसरी बार विंबलडन का खिताब जीता है। अभी तक हुई कुछ ग्रैंडस्लैम में ये सबसे एकतरफा मुकाबला रहा था और नोवाक जोकोविच जैसे प्लेयर को इस तरह मात देकर अल्काराज ने दुनिया को दिखा दिया है कि क्यों उन्हें टेनिस के अगले सुपरस्टार के रूप में देखा जा रहा है। इस जीत के साथ अल्काराज एक साल में फ्रेंच ओपन और विंबलडन का खिताब जीतने वाले 6वें पुरुष खिलाड़ी बने हैं। सचिन ने इस युवा खिलाड़ी के लिए एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, अबसे टेनिस पे एक ही राज करेगा, वो है अल्काराज। विंबलडन 2024 का फाइनल वो भई सीधे सेटों में जीतना और अब आपके सामने वर्ल्ड क्लास प्लेयर हो ये कोई मजाक की बात नहीं। उस तरह की गति शक्ति प्लेसमेंट और ऊर्जा के साथ, ऐसा लगता है कि आने वाले सालों में कार्लोस अल्काराज के लिए फायदेमंद होने वाला है। जोकोविच को उनकी शालीनता और जीत और हार में जिस तरह से उन्होंने खुद को पेश किया है, उसके लिए सलाम। मेरे लिए ये सच्चे सपोर्ट्सपर्सन की पहचान है।

जून में भारत में थोक मूल्य सूचकांक 16 महीने के उच्चतम स्तर पर, सब्जियों की कीमतें बढ़ीं

तेल की कीमतों के संबंध में, उन्होंने कहा कि जुलाई 2024 में अब तक कच्चे तेल की भारतीय बास्केट की औसत कीमत काफी अस्थिर रही है, जो आपूर्ति–मांग बेमेल के कारण महीने–दर–महीने वृद्धि (11 जुलाई तक 86.6 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल) देखी गई है। देश में थोक मुद्रास्फीति बढ़ गई है, जिससे आम जनता की जेब पर काफी असर देखने को मिला है। जून में मुद्रास्फीति बढ़कर 3.36 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ये आंकड़ा बीते 16 महीने का उच्चतम स्तर है। खाद्य वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण यह वृद्धि हुई है। यह लगातार चौथा महीना था जब मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी देखी गई। मई में थोक मूल्य सूचकांक (च्च्) आधारित मुद्रास्फीति 2.61 प्रतिशत थी। जून 2023 में यह (–) 4.18 प्रतिशत थी। फरवरी 2023 में थोक मुद्रास्फीति 3. 85 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, ष्जून, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों के विनिर्माण, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, खनिज तेल, अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।'' आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति

जून में 10.87 प्रतिशत बढ़ी, जबकि मई में यह 9.82 प्रतिशत थी। जून में सब्जियों की महंगाई दर 38.76 प्रतिशत रही, जो मई में 32.42 प्रतिशत थी। प्याज की महंगाई दर 93.35 प्रतिशत रही, जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 प्रतिशत रही। जून में दालों की महंगाई दर 21.64 प्रतिशत रही। माह के दौरान अन्य खाद्य वस्तुओं जैसे फलों की मुद्रास्फीति 10.14 प्रतिशत, अनाज की 9.27 प्रतिशत तथा दूध की 3.37 प्रतिशत रही। आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जून 2024 में थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति में वृद्धि व्यापक आधार पर होगी, जो ईंधन और बिजली को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों द्वारा प्रेरित होगी। उन्होंने कहा कि आगे की बात करें तो जुलाई 2024 में मुख्य थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति घटकर लगभग 2 प्रतिशत रह जाने की उम्मीद है, जो अनुकूल आधार के साथ–साथ वैश्विक कमोडिटी कीमतों में कुछ गिरावट के कारण संभव होगा। तेल की कीमतों के संबंध में, उन्होंने कहा कि जुलाई 2024 में अब तक कच्चे तेल की भारतीय बास्केट की औसत कीमत काफी अस्थिर रही है, जो आपूर्ति–मांग बेमेल के कारण महीने–दर–महीने वृद्धि (11 जुलाई तक 86.6 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल) देखी गई है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें चालू महीने में मुख्य थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति पर दबाव डाल सकती हैं। ईंधन और बिजली क्षेत्र में मुद्रास्फीति 1.03 प्रतिशत रही, जो मई में 1. 35 प्रतिशत से मामूली कम है। हालांकि, माह के दौरान कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि दोहरे अंक में 12.55 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति जून में 1. 43 प्रतिशत रही, जो मई में 0. 78 प्रतिशत से अधिक थी। जून में थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अनुरूप थी। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है।

वनडे और टेस्ट से रिटायरमेंट के प्लान पर रोहित शर्मा ने दिया बड़ा बयान, क्या खेलेंगे 2027 का वर्ल्ड कप?

हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद, भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने लंबे प्रारूपों में अपने भविष्य के बारे में खुल कर बात की है। रोहित ने पिछले महीने भारत को टी20 विश्व कप 2024 का खिताब दिलाया था। इसके कुछ ही घंटों बाद उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। डलास में ड्यूरिना के हालिया कार्यक्रम में रोहित से उनके खेल के भविष्य के बारे में पूछा गया। जबकि रोहित ने कहा कि वह उन लोगों में से नहीं हैं जो बहुत आगे के बारे में सोचते हैं, भारतीय कप्तान ने जोर देकर कहा कि उनके पास अभी भी देने के लिए बहुत कुछ है।

रोहित ने क्या कहा

रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा, मैंने अभी कहा। मैं इतना आगे नहीं बढ़ता। तो जाहिर है, आप मुझे कुछ समय तक खेलते हुए देखेंगे। 159 मैचों में 4231 रनों के साथ, रोहित इस प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक शतक (पांच) का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। उन्होंने दो टी20 विश्व कप जीते हैंरू पहला 2007 में प्रतिस्पर्धा करते हुए और वर्तमान 2024 में कप्तान के रूप में। भारत के टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित और विराट दोनों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया। भारत के पास अब सबसे छोटे प्रारूप में नया कप्तान होगा, लेकिन रोहित वनडे और टेस्ट में नेतृत्व जारी रखेंगे।

जय शाह का बड़ा बयान

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का आखिरी मैच भी था। रोहित, जो इस साल 37 साल के हो जाएंगे, निस्संदेह अपने करियर के अंतिम पड़ाव के करीब हैं। हालांकि, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने प्रशंसकों को आश्वासन दिया है कि रोहित कम से कम अगले विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल तक शीर्ष पर बने रहेंगे, बशर्ते भारत अगले साल खिताबी मुकाबले के लिए क्वालीफाई कर ले।

सम्पादकीय.....

सौ साल बाद इंसान में बदलाव के अनुमान

पिछली सदी के पांचवें–छठे दशक में जब सवाल उठता था कि सौ साल बाद इंसान कैसा होगा तो वैज्ञानिक इतिहास के विभिन्न दौर की तस्वीरों का मिलान कर निष्कर्ष निकालते कि कोई फर्क नहीं होगा। लेकिन आज उनके पास तकनीकी कौशल है जिसके मुताबिक 100 साल बाद इंसान की औसत उम्र व लंबाई बढ़ेगी, रंग सांवला होगा व वह सौम्य होगा। वैज्ञानिकों के बीच ऐसे जिज्ञासापूर्ण सवाल हमेशा पूछे जाते रहे हैं और सालों साल भले ये सवाल ज्यों के त्यों रहते रहे हों, लेकिन इनके जवाबों में बदलाव होते रहे हैं। मसलन पिछली सदी के पांचवें, छठे दशक में जब वैज्ञानिकों के बीच यह सवाल उठता था कि आखिर सौ साल बाद का इंसान कैसा होगा? तो उनके पास कुछ कहने के बजाय कुछ न कहने की स्थितियां ज्यादा होती थीं। मसलन आमतौर पर प्राचीन इतिहास के नायकों की तस्वीरें सामने रखी जाती थीं और आज के इंसान की तस्वीरों से उनका मिलान किया जाता था और फिर आमतौर पर इस निष्कर्ष पर पहुंचा जाता था कि दिखने के स्तर पर तो कोई खास बदलाव नहीं होगा। वैज्ञानिक 3500 साल पहले मिस्र के राजाओं, रानियों विशेषकर रानी हत्शेपसुत और ऑगस्टस सीजर से लेकर नेपोलियन और क्वीन विक्टोरिया तक की तस्वीरें देखकर इस निष्कर्ष पर पहुंचते थे कि दिखने में हजारों साल पहले के लोग भी आज के जैसे ही थे। दिखने में 3500 साल पहले की रानी हत्शेपसुत और 25 साल की क्वीन विक्टोरिया में कोई फर्क नहीं था। निष्कर्ष यह निकलता था कि 100, 200 या कई सौ सालों बाद भी इंसान के रूपरंग, दिखावट, बनावट आदि में कोई खास अंतर नहीं होगा। लेकिन यह सही नहीं था। वास्तव में यह गफलतभरा आकलन तस्वीरों के देखने के कारण था, क्योंकि तस्वीरों की अपनी एक सीमाएं होती हैं। अलग–अलग दौर के इतिहास के लोगों की शक्लें भले एक जैसी दिखती हों, लेकिन इन तस्वीरों को देखकर किसी के स्वास्थ्य और आयु का पता नहीं चलता। अलग–अलग दौर के ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के चेहरे–मोहरे भले आज के इंसानों की तरह रहे हों, लेकिन इतिहास में ज्यादातर महान लोग 50 साल से भी कम जिए हैं, क्योंकि तब औसत आयु ही बहुत कम थी। जबकि आज दुनिया के सबसे गरीब देश में भी औसत आयु 50 साल है। भारत में पिछली सदी के 50 और 60 के दशक में अगर 60 साल का होकर कोई मरता था, तो उसे बहुत दिनों तक जिया समझा जाता था, मगर आज पुरुषों की औसत आयु 71 साल और महिलाओं की 75 साल हो चुकी है। पहले भले 100 सालों बाद के इंसान को वैज्ञानिक स्पष्ट बदलावों के साथ चिन्हित न कर पाते रहे हों, लेकिन आज उनके पास ऐसा कर पाने की सटीक तकनीकी कौशल है। इसलिए वैज्ञानिकों के मुताबिक 100 साल बाद यानी करीब 2125 और उसके बाद के इंसान की पहले तो औसतन उम्र बढ़कर करीब 100 साल हो जायेगी। कुछ देशों में यह 120 से 125 साल तक चली जायेगी। चरम स्थिति पर कम से कम 150 सालों तक जियेगा। स्पष्ट है कि 100 साल के बाद के इंसान का कद आज के इंसान से थोड़ा लंबा हो जायेगा व शरीर ज्यादा वजनदार। लेकिन व्यक्तित्व में आक्रामकता कम और मिलनसारिता बढ़ जायेगी। अगर कहें कि आज के 100 साल बाद का इंसान खुशमिजाज होगा और आक्रामक बिल्कुल नहीं। वर्तमान दुनिया में जो विकास के अलग–अलग टापू हैं, 100 साल बाद वैसी स्थितियां ज्यादा नहीं दिखेंगी। करीब–करीब हर जगह का विकास अपने चरित्र में एक जैसा होगा। मात्रा में भले भिन्न रहे। सौ साल बाद दुनिया के ज्यादातर इंसानों की शारीरिक भिन्नताएं भी कम हो जाएंगी और उनमें समानता ज्यादा आयेगी। ज्यादातर पुरुषों की ऊंचाई और बनावट एक जैसी हो जायेगी। लंबाई आज के मुकाबले कुछ बढ़ जायेगी, लेकिन वजन पर मतभेद हैं। कुछ वैज्ञानिक कहते हैं कि भविष्य के पुरुष ज्यादा मोटे ताजे होंगे तो कुछ दूसरों का मानना है कि ज्यादा दुबले पतले होंगे। एक जो खास बदलाव अचंभित करेगा, वह यह कि दुनिया के ज्यादातर लोगों की त्वचा का रंग धीरे–धीरे एक जैसा हो जायेगा यानी यह हल्का सांवला या गाढ़ा होगा। तब यूरोप, अमेरिका, उत्तरी ध्रुव और कनाडा से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक ज्यादातर पुरुष एक जैसे दिखेंगे, हल्के सांवले। लेकिन अलग–अलग भौगोलिक क्षेत्रों की खासियतें उन भौगोलिक क्षेत्रों में मौजूद रहेंगी। मनुष्य का मस्तिष्क आसानी से कंप्यूटर इंटरफेस का उपयोग कर सकेगा। अंतरिक्ष यात्रा आम–असासन हो जायेंगी। जब हर क्षेत्र में काफी कुछ समानताएं नजर आएंगी तो दुनियाभर के मौसम और जलवायु में भी 100 सालों बाद काफी हदतक एकरूपता आती दिखेगी और इसके पीछे का कारण पूरी दुनिया में एक जैसी तकनीक का इस्तेमाल होगा। एक जैसी तकनीक के इस्तेमाल से एक जैसा वातावरण बनेगा। सौ सालों बाद यात्राएं बहुत आसान और तेज हो जाएंगी। एक दिन में हिंदुस्तान के किसी भी कोने से जाकर लोग लौटने के बारे में भी सोच सकते हैं। बच्चे बिना अक्लदाढ़ के पैदा होने लगेंगे। 100 साल बाद अंगों का प्रत्यारोपण भी आम हो जायेगा।

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है

संजीव ठाकुर

पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है।

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैंस जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नावप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3: नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार–विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

तीन साल में योगी आदित्यनाथ कितने बदल पायेंगे हालात

अजय कुमार

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान उठाना पड़ा। यूपी की वजह से केंद्र में मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन पाई, जो बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई। बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है। इसीलिये बीजेपी आलाकमान के साथ–साथ सीएम योगी आत्यिनाथ उन मुद्दों की धार कुंद करने में लग गये हैं जिसके सहारे कांग्रेस–सपा गठबंधन ने बीजेपी को आईना दिखाया था। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने संविधान, दलित ओबीसी आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई को बीजेपी के खिलाफ सबसे मजबूत चुनावी हथियार बनाया था। अबकी से राहुल के मुंह से अडानी–अंबानी, नोटबंदी, राफेल विमान खरीद भ्रष्टाचार, चौकीदार चोर है, जैसे तमाम जुमले सुनने को नहीं मिले थे। राहुल गांधी के साथ–साथ अखिलेश यादव भी अपनी जनसभाओं में दो ही बातें दोहराते रहे, पहला मोदी को 400 सीटें मिली तो वह संविधान बदल देंगे, दूसरा दलितों और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर दिया जायेगा। इसके अलावा राहुल की महिलाओं को 8500 रूपये प्रति माह देने की गारंटी ने भी बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया। चुनाव बाद भी जिस तरह से राहुल गांधी संविधान की किताब लिये घूम रहे हैं उसकी काट के लिये अब मोदी सरकार ने इमरजेंसी के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। मोदी के मंत्री से लेकर छोटे–बड़े सभी नेता लगातार बता रहे हैं कि 1975 में किस तरह से तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की आत्मा को तार–तार कर दिया था। सदन में तो इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव तक पास हो गया। सबसे खास बात यह रही कि मोदी सरकार जब इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाई तो इसके खिलाफ कांग्रेस सदन में अकेले ही खड़ी नजर आई। राहुल के सबसे मजबूत साथी समझे जाने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इमरजेंसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं गये। बहरहाल, आम चुनाव में इंडी गठबंधन के कुछ दमदार और असरदार साबित हुए मुद्दों की धार को मोदी सरकार कम करने में लगी है तो दूसरी ओर गठबंधन के कुछ मुद्दों की हवा निकालने के लिये योगी सरकार ने अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रखी है। योगी ने इसके लिये अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिये हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के शुरुआती तीन–चार महीनों में सम्पन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है। यह तय माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी खराब छवि वाले विधायकों का टिकट काटने में भी आलाकमान परहेज नहीं करेगा। गौरतलब हो, हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग ने जो आकड़े जारी किये हैं उसके अनुसार यूपी में 80 लोकसभा सीटें जिसके अंतर्गत 403 विधान सभाएं आती हैं,वहां अबकी से बीजेपी 162 विधान सभा क्षेत्रों में समाजवादी और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी से पिछड़ गई थी। इन 162 विधान सभा क्षेत्र के विधायकों पर भी गाज गिर सकती है। वहीं 2027 में विपक्ष एक बार फिर से बेरोजगारी को मुद्दा नहीं बना पाये इसके लिये योगी ने सभी खाली पड़े रिक्त पदों को भरने के लिये बम्पर नौकरियां निकाली हैं। अभी एक लाख नौकरियां निकाले जाने की बात कही जा रही है जिसका आंकड़ा 2027 के विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता हे। इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है। बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केन्द्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है। उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा–पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिये बढ़ा मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष लगातार इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। इस योजना का दुष्प्रभाव मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में देख भी चुकी है। कुल मिलाकर योगी सरकार बम्बर नौकरियां निकाल कर विपक्ष को उसकी बेरोजगारी वाली सियासत से 'बेरोजगार' करना चाहती है। बात सरकार से हटकर संगठन स्तर की कि जाये तो लोकसभा चुनाव में यूपी से मिली चोट भाजपा को बेचौन किए हुए हैं। योगी की छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के बाद भाजपा के जिम्मेदार अब यूपी में पार्टी के ग्राफ गिरने के कारणों की पड़ताल पर लगा है। पार्टी स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने वोट में आई गिरावट को लेकर चर्चा की। तय किया गया है कि भाजपा के पक्ष में कम मतदान की जांच होगी। दरअसल, यूपी के चुनाव परिणाम से भाजपा के स्थानीय से लेकर शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार करीब नौ फीसदी कम वोट मिले हैं। अब इन्हीं वोट का पता लगाने को लेकर माथापच्ची शुरू हो गई है कि आखिर यह वोट भाजपा से छिटक कर कहां गया। इसका पता करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें संगठन के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। फोर्स के सदस्य गांव–गांव जाकर यह पता लगाएंगे कि भाजपा के कोर वोटर माने जाने वाले ओबीसी और दलितों में सेंध किस दल ने लगाया है। यह भी पता लगाया जाएगा कि गैर यादव ओबीसी और गैर जाटव दलितों को भाजपा से बिदकाने में किन–किन लोगों का हाथ है। साथ ही भितरघात करने वाले पार्टी नेताओं का भी पता किया जाएगा। केंद्र में भले ही लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बन गई है लेकिन पार्टी के लिए सबसे मजबूत सियासी जमीन यूपी में खिसकने की टीस सभी नेताओं को हो रही है। इसलिए अब पार्टी ने नुकसान पहुंचाने वालों के साथ उन मतदाताओं के बारे में भी पता लगाने का फैसला किया गया है कि जो इस बार भाजपा के बजाए विपक्ष की तरफ खिसक गए हैं। यूपी में बीजेपी का ग्राफ गिरने की पूरी समीक्षा के बाद यूपी बीजेपी में संगठन स्तर पर भी कई बदलाव हो सकते हैं। यूपी बीजेपी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल सकता है और यह दलित अथवा पिछड़ा समाज को हो तो कोई आश्चर्य नहीं है। वैसे कयास यह भी लगाये जा रहे हैं कि योगी सरकार में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एक बार फिर संगठन में आना चाह रहे हैं। मौर्य के यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रहते 2014 में पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भाजपा इस बात को लेकर बेहद चिंतित है कि वर्ष 2017 में रिकॉर्ड 312 विधानसभा सीटों और 2022 के विधान सभा चुनाव में भी भगवा परचम लहराकर बहुमत की सरकार बनाने वाली भाजपा अबकी लोकसभा चुनाव में 162 सीटों पर ही कैसे पिछड़ गई। वहीं 2017 में कांग्रेस से हाथ मिलाने पर भी 47 सीटों पर सिमटकर सत्ता गंवाने वाली सपा इस चुनाव में सर्वाधिक 183 सीटों पर आगे रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ दो विधायक वाली पार्टी बनी कांग्रेस, लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन कर 40 विधानसभा सीटों पर अव्वल आई। वैसे सच्चाई यह भी है कि 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद से यूपी में एनडीए का ग्राफ लगातार गिर रहा था, लेकिन इस ओर किसी ने विशेष ध्यान नहीं दिया। एनडीए के सहयोगी अपना दल (एस) व सुभासपा संग सरकार बनाने वाली भाजपा को पहला झटका 2019 के लोकसभा चुनाव में लगा। तब सपा–बसपा–रालोद के मिलने पर भाजपा के सांसद जहां 71 से घटकर 62 रह गए। वहीं पार्टी 274 विधानसभा सीटों पर ही बढ़त बना सकी थी। 2019 में सपा के पांच सांसद जीते और पार्टी 44 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी, जबकि 10 सांसद वाली बसपा 66 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। सिर्फ रायबरेली लोकसभा सीट जीतने वाली कांग्रेस मात्र नौ सीटों पर ही औरों से आगे निकली थी। इसी तरह 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा यूपी में फिर सरकार बनाने में तो कामयाब रही, लेकिन उसकी सीटों और घट गई। भाजपा इस चुनाव में सिर्फ 255 सीटें ही हासिल कर सकी थी। रालोद व सुभासपा को साथ लेने से भी सपा पांच वर्ष बाद सरकार में वापसी तो नहीं कर सकी, लेकिन उसकी सीटें जरूर 47 से 111 हो गईं। सपा से हाथ मिलाने पर रालोद के आठ व सुभासपा के छह विधायक भी जीते। इसी तरह भाजपा के साथ रहने पर अपना दल (एस) के 12 विधान सभा उम्मीदवार जीते। अकेले चुनाव लड़ी कांग्रेस दो और बसपा एक ही सीट जीत सकी थी। यहां तक तो 'भगवा दल' के लिए किसी तरह के बड़े सियासी खतरे के संकेत नहीं थे, लेकिन इस लोकसभा चुनाव के आए नतीजे हर लिहाज से सत्ताधारी भाजपा के लिए खतरे की घंटी साबित हुए। 2024 लोकसभा चुनाव में घटते जनाधार के कारण भाजपा के जहां मात्र 33 सांसद रह गए है। वहीं विधानसभा सीटों पर भी दबदबा घट गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में 255 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार सिर्फ 162 सीटों पर ही बढ़त मिली है। सपा के साथ छोड़ फिर एनडीए के साथ आया रोलाद तो दो सांसदों के साथ आठ विधानसभा सीटों पर आगे रहा लेकिन एक सीट गंवाने वाला अपना दल (एस) सिर्फ चार विधानसभा क्षेत्रों में ही आगे है।

नशे का विकराल तथा खतरनाक वैश्विक स्वरूप

हर तरह के एक सूखे और अन्य नशे से न सिर्फ शारीरिक, मानसिक, सामाजिक संरचना कमजोर होती है, बल्कि परिवार, समाज और देश के आर्थिक तंत्र पर बड़ी चोट लगती हैस वैश्विक स्तर पर यह माना जाता है कि विश्व का हर चौथा युवा नशे की गिरफ्त में है और उसकी सांसे नशे के नियंत्रण में ही हैं। भारत युवा शक्ति का देश है और भारत को नशे की गिरफ्त से बचाकर एक ऊर्जावान युवा शक्ति का बड़ा केंद्र बनाना ही हमारी सार्थकता होगी। विश्वव्यापी नशे की व्यापकता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को एक प्रस्ताव पारित कर हर वर्ष 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा व मादक पदार्थ निषेध दिवस मनाने का निर्णय लिया था। ये एक तरफ लोगों को नशे के प्रति चेतना फैलाता है ।वहीं दूसरी तरफ नशे की गिरफ्त में आए लोगों के उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी उठाता है। मादक पदार्थों की नशे की लत आज के युवाओं में तेजी से फैल रही है। कई बार फैशन की खातिर दोस्तों के कहने पर लिए गए यह मादक पदार्थ अक्सर युवाओं के लिए जानलेवा साबित होते हैं। युवा तो युवा बच्चे भी फेविकोल,तरल इरेजर, पेट्रोल की गंध और स्वाद के प्रति आकर्षित होते हैं, और कई बार कम उम्र के बच्चे आयोडेक्स, वोलीनी जैसी दवाओं को सूघकर नशे का आनंद लेते हैं। कुछ मामलों में आयोडेक्स को ब्रेड में लगाकर खाने का नशा भी बच्चों में देखा गया है। और मजाक मजाक में जिज्ञासा बस कोरेक्स, कोडन, अल्प्राजोलम, कैनेबिस जैसी दवाओं को पीकर नशे में झूमते हैं। यह नशीली दवाएं कब बच्चों को तथा गरीब युवाओं को अपने घेरे में ले लेती है पता ही नहीं चलता। तंबाकू, सिगरेट, गांजा, कोकीन, चरस, स्मैक, भांग जैसी नशीली वस्तुओं का आज युवा वर्ग लगातार सेवन कर अपनी जिंदगी से खेलने में लगा हुआ है। पहले इन लोगों को मादक पदार्थों की मुफ्त में लग लगाकर सबको इसका आदी बनाया जाता है,और फिर ऐसी नशे की लत में युवा तथा बच्चे चोरी, डकैती,पॉकेट मारी, घर के पैसे, रुपए, जेवरात चुराने की हरकतें करने लगते हैं,जो न सिर्फ कानूनी अपराध है बल्कि समाज की बहुत बड़ी विसंगति भी है। कई बार बच्चे घर के ही बड़े सदस्यों को देखकर यह नशा करने लगते हैं कि जब बड़े कर रहे हैं तो उन्हें भी यह करने में कोई बुराई नजर नहीं आती है। और फिर इनके द्वारा शुरू होता है असामाजिक कार्यों का सिलसिला धीरे–धीरे युवा नशे की लत में अपराध जगत की ओर बढ़ने लगता है। चिकित्सकीय आधार पर देखा जाए तो हीरोइन चरस कोकीन गांजा जैसे मादक पदार्थों के नशे की गिरफ्त में आकर अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं, एवं पागल तथा सुसुप्ता अवस्था में चले जाते हैं, नशे की लत शरीर को सुस्त कर म्रत्यु की ओर ले जाती है। और नशे की लत में मानसिक संतुलन खोकर व्यक्ति बड़े–बड़े अपराध तक कर बैठता है।, नशे की लत का मामला न सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़ा होकर बल्कि अपराध जगत से भी जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि जीवन अनमोल है और इस अनमोल जीवन को नशे की लत में नष्ट कर समय से पहले ही मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाने के साथ–साथ मादक पदार्थों से मुकाबले के लिए विभिन्न देशों द्वारा उठाए गए कदमों तथा इसके मार्ग में उत्पन्न चुनौतियों तथा निवारण का सही सही उपचार भी बताता है। वैसे इतने घातक तथा खतरनाक नशे की लत को केवल 26 जून को नशा निरोधक दिवस बना कर इतिश्री नहीं कर लेना चाहिए, बल्कि इसके विरुद्ध हर देश को एक व्यापक जन अभियान भी चलाना चाहिए। 26 जून का दिन मादक पदार्थों से मुकाबले का प्रतीक बन गया है।और इस दिवस पर मादक पदार्थों के उत्पादन तस्करी तथा सेवन के दुष्परिणामों से बचने के उपायों के बारे में विस्तृत चर्चा भी की जानी चाहिए। भारत दक्षिण एशियाई देशों के मध्य हीरोइन का बड़ा उपभोक्ता देश बनते जा रहा है। भारत के कई भूभाग पर अफीम की खेती भी की जाती है। पारंपरिक तौर पर किस के बीच पोस्तों से सब्जी बनाकर खाई जाती थी, किंतु कालांतर में इसका उपयोग एक मादक पदार्थ के रूप में आरंभ हुआ जिसने एक बहुत बड़ा खतरनाक रूप ले लिया। एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 12 से 60 साल की उम्र के लोगों में नशे की लत लगभग 1.6: देखी गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में जिस अफीम की हीरोइन में तब्दील नहीं किया जाता उसका दो तिहाई हिस्सा 5 बड़े देशों में इस्तेमाल होता है इसमे ईरान 42:, अफगानिस्तान पाकिस्तान 7:,भारत खुद 6: तथा रूस में इसका 5: उपयोग होता है। भारत में 2008 में 17 मि,टन हीरोइन की खबत होती थी,और वर्तमान में भारत में अफीम की खपत 65 से 70 मी,टन प्रति वर्ष होने लगी है। यह विश्व में इस्तेमाल होने वाली अफीम का 6: है। भारत में ही अफीम की 1500 से लेकर 2000 हेक्टेयर में अफीम की अवैध खेती होती है। यह तथ्य वास्तव में देश के लिए और देश के युवा तथा बच्चों के लिए अत्यंत खतरनाक है। इस पर शासन प्रशासन द्वारा कड़ी नजर रख इस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। भारत में शराब सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है साथ ही मध्य पान के कारण 1500 से दो हजार भारतीय आज शराब के नशे में प्रतिवर्ष मरने भी लगे हैं। आज की स्थिति में हर 20 व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शराबखोर है।पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी आज की स्थिति में मध्य पान की ओर आकर्षित हो रही हैं। विशेषकर उच्च तथा मध्यम वर्गीय परिवारों में महिलाएं शराब का सेवन करने लगी है ।इसमें से कुछ महिलाएं खुलेआम कुछ छुप–छुपकर इसका सेवन करती हैं। महानगरों में बड़े शहरों की कामकाजी महिलाओं के छात्रावासों तथा हॉस्टल में महिलाओं का शराब का सेवन तेजी से बढ़ते जा रहा है एक सर्वे के अनुसार करीब 20 से 25: महिलाएं शराब खोरी की गिरफ्त में आ चुकी हैं। यूरोपियन देशों में महिलाओं की नशाखोरी की आदत का प्रतिशत 60: से ऊपर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बैठकों सेमिनार तथा मीटिंग में शराब का सेवन एकदम आम बात बन गई है।

सिंगर बिली एलीश की पसंद का पैमाना खुशबू, बोलीं- मेरी नाक तेज है

बिली एलीश ने इंटरव्यू में कहा कि मेरी लिस्ट में सबसे पहले खूशबू आती है। मैं इससे बच सकती हूं, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मैं निश्चित रूप से इसे पसंद करती हूं। मेरी नाक बहुत तेज है, इसलिए अगर किसी की खुशबू अच्छी हो तो वह मुझे ज्यादा पसंद आती है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें अपने पार्टनर की कौन सी बात आकर्षित करेगी।

ग्रैमी विजेता सिंगर बिली एलीश ने कहा कि वह अपनी लिस्ट में अच्छी खुशबू वाले लोगों को नंबर 1 पर रखती हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी की खुशबू अच्छी हो तो वह मुझे ज्यादा पसंद आता है। 22 वर्षीय गायिका बिली एलीश ने 30 वर्षीय कॉमेडियन अमेलिया डिमोल्डेनबर्ग के यूट्यूब इंटरव्यू शो चिकन शॉप डेट में अपने विचार साझा किए। इस दौरान उन्होंने अपनी पसंद और नापसंद के बारे में भी बताया। बिली एलीश ने इंटरव्यू में कहा कि मेरी लिस्ट में सबसे पहले खूशबू आती है। मैं इससे बच सकती हूं, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मैं निश्चित रूप से इसे पसंद करती हूं। मेरी नाक बहुत तेज है, इसलिए अगर किसी की खुशबू अच्छी हो तो वह मुझे ज्यादा पसंद आती है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें अपने पार्टनर की कौन सी बात आकर्षित करेगी। बिली एलीश ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि मुझे लगता है, वह जुनून होगा, क्योंकि यह सब उसी के बारे में है। फीमेलफर्स्ट की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि जब वह किसी के प्रति आकर्षित होती हैं तो वह किस तरह से पेश आती हैं। उन्होंने कहा, "मैं बिल्कुल पागल हो जाती हूं। जब मैं बड़ी हो रही थी तो मुझे जिस किसी पर भी क्रश था, उसने कभी भी मुझ पर क्रश नहीं किया, जितना मैं इस बारे में जानती हूं। यह बात एक्साइटेड करने वाली है और दुखद भी है। मैं बस लोगों पर क्रश करती हूं और सिर्फ यही कर सकती हूं। जब मुझे किसी पर कोई क्रश नहीं होता तो जीवन बहुत खाली लगता है।" बैड गाइ सिंगर बिली एलीश ने हाल ही में गायिका लाना डेल रे के साथ बातचीत के दौरान खुद के प्यार में होने और अपने असहज रिश्ते पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जब मैं प्यार में होती हूं तो मैं वास्तव में खुद से बहुत नफरत करती हूं। मुझे वास्तव में नियंत्रण से बाहर होना पसंद नहीं है। मैं अपनी शक्ति और नियंत्रण को लेकर सजग हूं। मुझे रोमांटिक तरीके से कमजोर होना भी पसंद नहीं है।

जुबेर खान ने कहा, मैं किसी भी किरदार में फिट हो जाता हूं

हाल ही में वेब सीरीज नाग वधू– एक जहरीली कहानी में नजर आने वाले एक्टर जुबेर के खान ने कहा कि उनकी पर्सनैलिटी ने इस शो में उन्हें बहुत प्रशंसा दिलाई। साथ ही कहा कि वह किसी भी किरदार में आसानी से फिट बैठ जाते हैं। शो को मिली प्रतिक्रिया से जुबेर बेहद खुश हैं। अपने काम को लेकर एक्टर ने कहा कि वह पानी की तरह हैं, उन्हें जो भी भूमिका दी जाती है, वह उसमें खुद को ढाल लेते हैं। समीक्षाओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "शो को सभी ओर से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। सभी समीक्षकों ने शो को लेकर अब तक काफी अच्छी बातें की हैं। मुझे खुशी है कि इस सीरीज को लोग बेहद पसंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया, "मैं किसी भी चीज में फिट हो जाता हूं, क्योंकि मैं पानी की तरह हूं। टीवी शो हो या फिल्में, एक प्यारा चेहरा और एक हॉट बॉडी मुश्किल से ही मिलती है। जुबेर का मानना है कि हर कलाकार के लिए हर नए प्रोजेक्ट के साथ खुद को फिर से तलाशना बहुत जरूरी है। एक्टर ने कहा, "मैं हर भूमिका में बहुत मेहनत करता हूं, साथ ही मैं हर भूमिका के साथ कुछ अलग करने की भी कोशिश करता हूं। मैं जुबेर के कुछ हिस्से को उसमें ही छोड़ने का प्रयास करता हूं। मैं खुद को ही हमेशा खोजता रहता हूं और मुझे लगता है कि यही वह चीज है जो हर कलाकार को आगे बढ़ने में मदद करती है।" शो की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह उन युवकों की हत्या करती है, जो उसके साथ रात बिताते हैं। शो में सुबुही जोशी और पोलोमी दास ने भी भूमिका निभाई है। यह शो एएलटी बालाजी पर स्ट्रीम हो रहा है। जुबेर ने 2014 में रोमांटिक फिल्म लेकर हम दीवाना दिल से अपना डेब्यू किया था, इसमें अरमान जैन और दीक्षा सेठ मुख्य भूमिकाओं में थे। जुबेर ने टीवी पर इस प्यार को क्या नाम दूं? से डेब्यू किया था। वह सीआईडी, आहट,

रिश्तों में सबसे महत्वपूर्ण चीज बातचीत है : सनी लियोन

एमटीवी का डेटिंग रियलिटी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5 एक्सस्क्वीज मी प्लीज सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। शो को एक्ट्रेस सनी लियोन होस्ट कर रही हैं। उन्होंने रिश्तों के हर पहलू पर काम करने वाले की फैक्टर को शेयर किया। शो के लेटेस्ट एपिसोड के दौरान, सनी ने कहा, रिश्तों में सबसे इम्पोर्टेन्ट चीज क्या होती है? कम्युनिकेशन। हमारे आइडियल मैच के लिए बेकेशन का समय आ गया है। शोडाउन के बाद, नायरा और दिग्विजय ने आइडियल मैच जीत लिया। बाद में, हर्ष ने खुलासा किया कि कशिश को छोड़ने का उसका फैसला एडी के दिमाग की उपज था। इससे कशिश हैरान और दुखी हो गई। एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5 एक्सस्क्वीज मी प्लीज एमटीवी और जियो सिनेमा पर उपलब्ध है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, सनी ने हाल ही में तमिल फिल्म कोटेशन गैंग का फर्स्ट लुक जारी किया, इसमें ग्लैमरस अवतार को छोड़ वह एक ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में नजर आ रही हैं। इस पोस्टर में उन्होंने एक्टर जैकी श्रॉफ की गर्दन पकड़ी हुई हैं। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ के अलावा द फैमिली मैन फेम प्रियामणि भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा, सनी के पास लेखक अनुराग कश्यप की कैनेडी भी है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और जल्द ही इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा, वह हिमेश रेशमिया और प्रभुदेवा के साथ एक अनटाइटल फिल्म पर भी काम कर रही हैं। उनके अपकमिंग मलयालम प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। उनकी लाइफ की बात करें तो सनी लियोनी का जन्म 13 मई 1981 को कनाडा में पंजाबी परिवार में हुआ। उनका असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। 2003 में पॉर्न इंडस्ट्री में आने से पहले सनी ने बेकरी और टैक्स एंड रिटायरमेंट फर्म में काम किया था। उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 5 में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। फिर डायरेक्टर महेश भट्ट ने उन्हें जिस्म 2 का ऑफर दिया। इस फिल्म में सनी के साथ रणदीप हुड्डा नजर आए। इसके बाद उन्हें बैक टू बैक फिल्में मिलती गईं। उन्होंने जैकपॉट, रागिनी एमएमएस 2, एक पहेली लीला, कुछ–कुछ लोचा है, मस्तीजादे, वन नाइट स्टैंड (2016) जैसी कई फिल्मों में काम किया है। एक्टिंग से अलग, 2016 में सनी लियोनी ने अपना खुद का कॉस्मेटिक ब्रांड लॉन्च किया था।

नागा चैतन्य से तलाक और गंभीर बीमारी से कैसे लड़ी सामंथा रुथ प्रभु ने जंग? एक्ट्रेस ने कहा– 'आग के सफर से गुजरी हूं'

सामंथा रूथ प्रभु ने एक बार फिर अपने स्वास्थ्य और सार्वजनिक रूप से तलाक से निपटने के बारे में बात की है। एले इंडिया के साथ एक नए साक्षात्कार में, सामंथा ने पिछले कुछ वर्षों में अपने सामने आई चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। सामंथा ने पहले अभिनेता नागा चैतन्य से शादी की थी। 2022 में, उन्होंने एक दुर्लभ ऑटोइम्यून बीमारी, मायोसिटिस से पीड़ित होने के बाद काम से ब्रेक ले लिया।

मैं यहां तक पहुंचने के लिए आग से गुजरी

जब उनसे पूछा गया कि क्या ऐसा कुछ है जो वह चाहती थीं कि उन्होंने अलग तरीके से किया होता, तो सामंथा रूथ प्रभु ने कहा, ''हम सभी चाहते हैं कि हम अपने जीवन के बारे में कुछ चीजें बदल सकें, और मुझे कभी–कभी आश्चर्य होता है कि क्या मुझे उन चीजों से गुजरना चाहिए था जो मैंने की हैं। लेकिन पीछे मुड़कर देखने पर, मैं इसे किसी और तरीके से नहीं चाहती। मैं कुछ समय पहले अपने दोस्त के साथ इस पर चर्चा कर रही थी, और मैंने हमेशा सोचा था कि मैं नहीं चाहती कि पिछले तीन साल ऐसे ही हों, लेकिन अब मुझे लगता है कि आपको जीवन में आने वाली हर चुनौती से निपटना होगा। और जब तक आप इससे बाहर निकलते हैं, तब तक आप जीत चुके होते हैं। मैं पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत और दृढ़ महसूस करती हूँ। ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं यहाँ तक पहुँचने के लिए आग से गुज़री हूँ... इसे आध्यात्मिक जागृति कहें।''

क्या सामंथा के जीवन में आध्यात्मिकता एक बड़ा कारक है?

अभिनेता ने कहा, आध्यात्मिकता मेरे व्यक्तिगत विकास के लिए बेहद अभिन्न रही है, और यह मेरे काम में भी झलकती है। यह मेरे जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित करती है – संचार, धारणा और संघर्ष से निपटना। आध्यात्मिकता वह ताकत रही है जिसकी मुझे कई बाधाओं को पार करने के लिए ज़रूरत थी। आज की दुनिया में, आपको आध्यात्मिकता की पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरत है क्योंकि बहुत दर्द और बीमारी है। मेरा मानना है कि आध्यात्मिकता आपका सबसे अच्छा दोस्त और ताकत का अंतहीन स्रोत हो सकता है।

सामंथा का तलाक

सामंथा रूथ प्रभु ने अक्टूबर 2017 में नागा चैतन्य से शादी की थी। दोनों ने अपनी शादी खत्म करने से पहले लगभग चार साल तक शादी की थी। दोनों ने अक्टूबर 2021 में अलग होने की घोषणा की। उस समय उन्होंने अपने–अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बयान जारी किए थे। 2021 में रिश्ता खत्म होने के बाद से ही चौतन्य का नाम शोभिता धुलिपाला से जोड़ा जा रहा है। सामंथा ने भी चौतन्य से तलाक के बाद आगे बढ़ने की बात कही है और कहा है कि अब उनका ध्यान अपने स्वास्थ्य और काम पर है। 2022 में, सामंथा ने मायोसिटिस का पता चलने के बाद काम से ब्रेक ले लिया था। वह अपनी तेलुगु फिल्म कुशी की शूटिंग कर रही थीं, जब उन्हें इस बीमारी का पता चला।

पंचायत के एक्टर अशोक पाठक ने कहा, पलायन की समस्या हमेशा से बिहार को परेशान करती रही है

प्रशंसकों की पसंदीदा स्ट्रीमिंग सीरीज पंचायत में बिनोद की भूमिका निभाने वाले एक्टर अशोक पाठक ने बिहार की सबसे बड़ी समस्या पर अपनी राय रखी है। बिहार के सिवान जिले के दरवेशपुर के रहने वाले अशोक अपने परिवार के साथ काम के लिए हरियाणा के हिसार चले गए थे। एक्टर ने कहा कि पलायन की यह घटना बिहार की सबसे बड़ी समस्या है। एक्टर ने 'डिजिटल कमेंट्री' से कहा, "बिहार की सबसे बड़ी समस्या हमेशा से पलायन रही है। कौन अपना घर छोड़कर किसी दूसरी जगह जाना चाहेगा, जहां की संस्कृति उनसे अलग हो। कोई भी अपने माता–पिता से दूर नहीं रहना चाहता और हर छह महीने या साल में एक बार घर वापस जाना चाहता है। उन्होंने आगे कहा, "क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि ऐसे लोगों को किस तरह का दर्द सहना पड़ता है? उन लोगों से दूर अकेले रहना, जिन्हें वे सबसे ज्यादा प्यार करते हैं। मुझे लगता है कि किसी व्यक्ति को कभी भी इस आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए कि वह कहां से आया है और किस राज्य से ताल्लुक रखता है। इस बीच, अशोक की फिल्म 'सिस्टर मिडनाइट' को कान्स फिल्म फेस्टिवल में डायरेक्टर्स फोर्टनाइट के तहत दिखाया गया। इसमें उनके साथ राधिका आप्टे भी हैं। स्क्रीनिंग के बाद फिल्म को 10 मिनट तक स्टैंडिंग ओवेशन मिला।

मानसून में हल्दी वाला दूध पीने से इम्यूनिटी होगी बूस्ट, बीमारियों को होगा जड़ से खात्मा

बरसात का मौसम अपने साथ कई बीमारियों को लाता है। ऐसे में अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती हैं। बरसात के दिनों में हल्दी वाले दूध का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। लेकिन ये सुहावना मौसम अपने साथ कई बीमारियों को भी लाता है। ऐसे में अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत हैं। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक के गुण पाए जाते हैं। दूध को कैल्शियम का अच्छा सोर्स माना जाता है। जब ये दोनों को एक साथ मिला दिया जाता है, तो इनके गुण और बढ़ जाते हैं। हल्दी–दूध में कैल्शियम, आयरन, सोडियम, ऊर्जा, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती हैं। बारिश के मौसम में हल्दी वाले दूध के सेवन से सर्दी–खांसी, इंफेक्शन, दर्द आदि की समस्या से बचा जा सकता हैं। चलिए जानते हैं बरसात के मौसम में हल्दी वाले दूध पीने के फायदों के बारे में।

सर्दी–खांसी से बचें

बदलते मौसम में सर्दी–खांसी की समस्या आम बात है। सर्दी खांसी होने पर हल्दी वाला दूध पीना फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि इसमें एंटी–वायरल और एंटी–बैक्टीरियल गुण होते है। जो सर्दी–खांसी के खतरे को कम कर वायरल फ्लू से भी बचाने में मदद कर सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए

मॉनसून मौसम में हमारी इम्यूनिटी काफी कमजोर पड़ जाती हैं। ऐसे में अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं। हल्दी दूध में मौजूद करक्यूमिन बतौर इम्यूनोमॉड्यूलेटरी एजेंट काम करता है, जो हमें कई बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद कर सकता हैं।

पाचन को सूधारने में मदत करता है

बारिश के मौसम में खाने में बदलाव और दूषित भोजन और पानी के संपर्क में आने की संभावना के कारण पाचन स्वास्थ्य में समस्या आ सकती है। हल्दी वाला दूध पाचन में सहायता करता है, जो वसा को पचाने के लिए आवश्यक है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स ने बताया युवाओं में क्यों तेजी से बढ़ रहा किडनी कैंसर का खतरा, जानिए कारण

गलत लाइफस्टाइल, बढ़ते धूम्रपान की आदतें, उच्च रक्तचाप और मोटापा जैसी समस्याएं के कारण आज का युवा तेजी से किडनी कैंसर की चपेट में आ रहा है। वहीं बढ़ता पॉल्यूशन इस समस्या को अधिक विकराल रूप देने का काम कर रहा है। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो आज से 10 साल पहले दिल्ली के हॉस्पिटलों में 60 साल से अधिक उम्र के 90 फीसदी लोग इस बीमारी के आते थे। वहीं समय के साथ बदलती लाइफस्टाइल की वजह से अब अस्पतालों में 40–50 साल के मरीज 40 फीसदी हैं। जबकि आज से 10 साल पहले यह आंकड़ा 10 फीसदी कम था।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, करीब 10 साल पहले तक 60 साल से अधिक उम्र के 90 फीसदी लोगों को इस गंभीर बीमारी का खतरा होता था। लेकिन आज के समय में 60 साल से अधिक उम्र वाले मरीजों की संख्या घटकर 60 फीसदी रह गई है। वर्तमान समय में 40 से 50 साल की आयु वाले 40 फीसदी मरीज आते हैं। जिनमें से अधिकतर मरीज एडवांस स्टेज के होते हैं। एक्सपर्ट की मानें, तो इस बीमारी के शुरूआती दौर में लक्षण नहीं दिखते हैं।

पुरुषों में किडनी कैंसर का अधिक खतरा

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो महिलाओं की तुलना में पुरुषों में किडनी कैंसर का खतरा तीन गुना ज्यादा होता है।

इन बातों का रखें खास ख्याल

50 साल की उम्र होने के बाद नियमित चेकअप जरूरी है।

कमर–पेट में दर्द या पेशाब में खून आए, तो इसको अनदेखा न करें। बल्कि फौरन डॉक्टर से संपर्क करें।

उच्च रक्तचाप, मोटापा और धूम्रपान से पीड़ित व्यक्ति को 40 के बाद से नियमित जांच करवानी चाहिए।

यदि परिवार में इस बीमारी की हिस्ट्री रही हो, तब भी 40 के बाद जांच करवाते रहें।

समय पर जरूरी है इलाज

अगर किडनी का कैंसर शुरूआत में पकड़ आ जाए, तो मरीज के ठीक होने की अधिक संभावना होती है।

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक यदि मरीज के पास सिर्फ एक किडनी है और उसमें भी कैंसर बन गया है, तो यह एक क्रिटिकल सिचुएशन है। क्योंकि किडनी निकाली नहीं जा सकती है। ऐसे में उचित जांच और इलाज के जरिए कैंसर प्रभावित किडनी के उक्त हिस्से को निकाल दिया जाता है। सर्जरी होने के बाद मरीज डायलिसिस पर आ जाता है।

स्वस्थ न होने तक मरीज को डॉक्टर की देखरेख में रहना चाहिए। इस तरह के केस में मरीज पूरी तरह से ठीक होकर सामान्य जीवन जी सकता है। वहीं यदि मरीज एडवांस स्टेज में पहुंच जाता है, तो उसका बचना मुश्किल हो जाता है।

जावा प्लम गर्मियों में ठंडक और स्वाद की गारंटी

गर्मी की तपिश शुरू होती है, तो भारतीय बाजार में एक नई सब्जी और फल की मौसमिक अवधि शुरू होती है। इस समय जावा प्लम (Java Plum) अपनी स्वादिष्टता और औषधीय गुणों के लिए काफी लोकप्रिय फलों में से एक है।

जावा प्लम की उपलब्धता

जावा प्लम का मौसम भारत में गर्मी के दौरान आता है, जो आमतौर पर मार्च से जून तक रहता है। यह फल प्रायरू उत्तर भारत के राज्यों जैसे कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, और दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों में पाया जाता है।

इसकी स्थानीय विशेषता यह है कि इसकी मिठास और ताजगी से लोगों को प्रसन्न करती है। इसे खाने से भी बहुत लाभ मिलते हैं, जैसे –

जावा प्लम के लाभ

जावा प्लम का सेवन गर्मियों में कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। इसके फायदे निम्नलिखित हैं:

शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद

जावा प्लम में पाए जाने वाले विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करते हैं। यह गर्मी के दिनों में ज्यादा ताजगी और ऊर्जा प्रदान करता है।

विटामिन्स और मिनरल्स का संपूर्ण स्रोत

जावा प्लम में विटामिन ए, विटामिन बी, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटैशियम मौजूद होते हैं, जो शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं।

आंतरिक संतुलन को सुधारना

इसके नियमित सेवन से पाचन प्रक्रिया सुधारती है और आंतरिक संतुलन को बनाए रखता है। यह पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

दूर करता है गर्मी की बीमारियां

जावा प्लम में विटामिन सी की अच्छी मात्रा होने से यह गर्मी की बीमारियों से लड़ने में सहायक होता है, जैसे कि लू, जुकाम और सर्दी जैसी समस्याएं।

इस प्रकार, जावा प्लम गर्मियों में एक स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट फल है जो लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक पहुंचाता है और आंतरिक संतुलन को बनाए रखता है।

इस गर्मियों में यह फल बाजारों में उपलब्ध होता है, जिससे लोग इसके लाभ उठा सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को सुधार सकते हैं।

केमिकल पील के इस्तेमाल से पहले जरूर जान लें ये जरूरी बातें, वरना स्किन हो सकती है डैमेज

हम सभी अपनी त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए स्किन केयर रूटीन फॉलो करते हैं। आज के समय में हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए घरेलू नुस्खों से लेकर स्किन में इंजेक्शन लगवाने तक में पीछे नहीं हटते हैं। वहीं सोशल मीडिया के इस जमाने में अब ज्यादा जानकारी लोगों तक पहुंच रही हैं। पहले जहां लोगों को सिर्फ इतना पता होता था कि हार्मोन में बदलाव के कारण पिंप्ल्स और एक्ने की समस्या होती है। कम पानी पीने से चेहरे का ग्लो गायब हो जाता है। वहीं आज के समय में हमें मालूम है कि चेहरे के दाग–धब्बे और एक्ने भी अलग–अलग तरह के होते हैं। हालांकि सोशल मीडिया के जरिए हम सभी ने आधा–अधूरा ज्ञान तो खूब बटोरा है। लेकिन आपने एक कहावत तो जरूर सुनी होगी कि आधा–अधूरा ज्ञान विनाशकारी होता है। बता दें कि भले ही आप निखार पाने के लिए केमिकल पील का इस्तेमाल करती हों, लेकिन इसके बार में आपको सही जानकारी होना बेहद जरूरी है। जैसे त्वचा पर कौन सा एसिड किस तरह से काम करता है और पील का इस्तेमाल किस तरह से करना चाहिए।

केमिकल पील

डेड स्किन और बढ़ती उम्र की वजह से स्किन को कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण एक्ने, दाग–धब्बे, झुर्रियां या फिर असमान स्किन टोन और स्किन टेक्सचर का खराब हो जाना शामिल है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए हम पुराने समय से उबटन का सहारा लेते आए हैं। लेकिन इससे त्वचा की गहराई से सफाई नहीं हो पाती है। ऐसे में निखार पाने के लिए केमिकल पील की जरूरत होती है। जिसको डर्मेटोलॉजिस्ट द्वारा किया जाता रहा है। बता दें कि यह केमिकल पील हमारी स्किन की परतों में गहराई से उतरता है और डेड स्किन को हटाकर नई कोशिकाओं को बनने में मदद करता है। इसकी मदद से हमारी स्किन धीरे–धीरे ठीक होने लगती है और त्वचा का निखार वापस आने लगता है। समय की कमी और मार्केट में मिलने वाले ऑप्शन के कारण लोगों ने घर पर ही केमिकल पील का इस्तेमाल करना शुरूकर दिया है। लेकिन इसके इस्तेमाल से पहले विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। डर्मेटोलॉजिस्ट के अनुसार, घर पर केमिकल पील का इस्तेमाल करने के दौरान एसिड की मात्रा कम रखी जाती है। जिससे कि यह त्वचा को नुकसान न पहुंचाए। लेकिन आपको अपनी स्किन के बारे में अच्छे से जानकारी होनी चाहिए। साथ ही पील का इस्तेमाल कब और कैसे करना है, इस बारे में भी जानकारी रखें। पील का इस्तेमाल करने से पहले आप डर्मेटोलॉजिस्ट से इस बारे में परामर्श भी कर सकती हैं।

स्किन का रखें खास ख्याल

केमिकल पील का इस्तेमाल करने के दौरान ध्यान रखें कि इसमें केमिकल होता है। ऐसे में अगर आपने इसको अप्लाई करने के दौरान जरा भी लापरवाही बरती, तो यह आपके पूरे फेस को खराब कर सकता है। इससे बचने के लिए अपनी स्किन का प्रकार जानें और फिर स्किन की समस्या को समझें। अगर आपकी स्किन ऑयली से कॉम्बिनेशन है, तो आप एएचए और बीएचए वाले पील का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं ड्राई या संवेदनशील स्किन के लिए आप एंजाइम पील का इस्तेमाल कर सकती हैं। लेकिन आपकी त्वचा कैसी है, इसके बारे में आपको ड्रर्मेटोलॉजिस्ट से मिल सकती है।

स्किन को करें तैयार

पील का इस्तेमाल करने से पहले आपको स्किन को भी इसके लिए तैयार करना होता है। इसके लिए आप अपनी स्किन को अच्छे से साफ करें। पील का इस्तेमाल करने से पहले स्किन पर मेकअप या फिर अन्य किसी तरह का प्रोडक्ट नहीं होना चाहिए। ऐसे किसी क्लींजर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, जिससे स्किन पर दबाव न पड़े। फिर स्किन को ठंडक देने के लिए आप एलोवेरा या ग्लिसरीन का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके बाद आप फेस पर पील का इस्तेमाल कर सकती हैं। पील से 48 घंटे पहले तक रेटिनॉल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसका इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें। अगर पील का इस्तेमाल करने से पहले लगातार जलन बनी रहती है या फेस लाल हो जाता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर को दिखाना चाहिए। साथ ही पील से पहले ब्लीच का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

बच्चे के लंच बॉक्स में प्रोटीन से भरपूर इन चीला को करें पैक, नोट करें रेसिपी

यदि आपके घर में नखरेबाज खाने वाले हैं, तो आप अक्सर इस बात को लेकर चिंतित रहते होंगे कि उनके लंचबॉक्स में क्या पैक किया जाए। माता–पिता के लिए अपने बच्चों के लिए आकर्षक व्यंजन तैयार करने में संघर्ष करना आम बात है, खासकर जब से बच्चे अपने खाने के बारे में बहुत चयनात्मक हो सकते हैं। कई बच्चे सब्जियों को उनके विशिष्ट स्वाद के कारण नहीं खाते हैं, क्योंकि उन्हें आवश्यक विटामिन और खनिज नहीं मिल पाते हैं। ये पोषक तत्व कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं जो उनकी वृद्धि और विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। अपने बच्चों के लिए बनाएं पनीर बेसन चीला।

पनीर बेसन चीला

सामग्री

–2 बड़े चम्मच तेल
–2 मध्यम प्याज, बारीक कटा हुआ
–2–3 हरी मिर्च, कटी हुई
–½ छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
–½ कप कसा हुआ पनीर
–2 बड़े चम्मच कटा हरा धनिया
– नमक स्वाद अनुसार
–2 कप बेसन
–छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
–½ छोटा चम्मच अजवायन
–½ छोटा चम्मच बेकिंग सोडा
–½ छोटा चम्मच हींग
–नमक स्वाद अनुसार
–2 बड़े चम्मच ताजी कटी हुई धनिया पत्ती
–बूंदा बांदी के लिए तेल

बनाने का तरीका

–स्टफिंग बनाने के लिए, एक नॉन–स्टिक पैन में तेल गरम करें, उसमें प्याज, हरी मिर्च डालें और पारदर्शी होने तक भूनें।

– लाल मिर्च पाउडर डालें और अच्छी तरह मिलाएँ। पनीर, कटा हरा धनिया डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक डालें और अच्छी तरह मिलाएँ, आँच से उतारें और एक तरफ रख दें।

– चीला बनाने के लिए एक बाउल में बेसन, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, बेकिंग सोडा, हींग, नमक, कटा हुआ हरा धनियां और पर्याप्त मात्रा में पानी डालकर थोड़ा–थोड़ा करके गाढ़ा घोल बना लें और अच्छी तरह फेंट लें।

– उसी पैन में थोड़ा सा तेल गर्म करें, बैटर का एक हिस्सा डालें और बेस को पूरी तरह पकने दें। पलटें और दूसरी तरफ भी पूरी तरह पकने तक पकाएं।

–स्टफिंग का एक भाग चीले पर रखिये और आधा मोड़ दीजिये. इसे आंच से उतार लें और एक सर्विंग प्लेट में निकाल लें।

–टमाटर केचप के साथ गरमागरम परोसें।

लौकी चिल्ला

सामग्री

–3/4 कप कद्दूकस की हुई लौकी
–1 कप बेसन
–1/4 कप दही
–1 चम्मच मिर्च पाउडर
–1/4 छोटा चम्मच हींग
–1/4 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
–नमक स्वाद अनुसार
–ग्रीसिंग के लिए 1 3/4 छोटा चम्मच नारियल का तेल
–खाना पकाने के लिए 3 1/2 चम्मच नारियल का तेल
–लौकी चीला के साथ परोसने के लिए
–टमाटर की चटनी
–हरी चटनी

बनाने का तरीका

–लौकी चीला बनाने के लिए सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में) कप पानी के साथ डालकर अच्छी तरह मिला लें।

– एक नॉन–स्टिक तवा गरम करें और उस पर (छोटी चम्मच तेल डालकर चिकना कर लें। एक करछुल घोल को तवे पर डालें और 125 मिमी का आकार बनाने के लिए इसे समान रूप से फैलाएं।

– इसे) छोटी चम्मच तेल का उपयोग करके तब तक पकाएं जब तक दोनों तरफ से सुनहरा भूरा रंग न हो जाए। 6 चीले और बना लीजिये.

–लौकी चीला को टोमैटो केचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

वृक्षारोपण के अवसर पर आयोजित हुई संगोष्ठी

प्रयागराज । लाहाबाद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित "एक वृक्ष माँ के नाम अभियान" में किये गये वृक्षारोपण के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. अवधेश कुमार ने कहा कि वृक्ष से ही पर्यावरण बचेगा। वृक्ष माँ की तरह मनुष्य का भरण पोषण करते हैं। हम प्रकृति से जितना लेते हैं हमें उसे उससे अधिक वापस भी करना चाहिए और इसके लिए लक्ष्यबद्ध नियोजन जरूरी है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के ही डॉ. राम कृपाल ने कहा कि हर युवा को एक एक वृक्ष लगाना चाहिए। हमारी परंपरा पर्यावरण संरक्षण की परंपरा है। नदी आदि अगर परोपकार के लिए अपना जीवन अर्पित करते हैं तो मनुष्य को भी प्रकृति रक्षण के लिए प्रयत्नशील रहना होगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि "देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें"। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिव कुमार यादव ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज प्रकाश ने किया। इस अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण के दौरान हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. लालसा यादव, प्रो. चंदा देवी, प्रो. प्रणय कृष्ण, प्रो. शिव प्रसाद शुक्ल, डॉ. अमित ओझा के साथ साथ छात्रों ने भी वृक्षारोपण किया।

01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक श्री डॉ0 अनिल कुमार' द्वारा अपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 'थाना संग्रामगढ़ के उ0नि0 राजबहादुर सिंह मय हमराह उ0नि0 सुनील कुमार' द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान, 'एसटीनं0 779/11 अ0सं0 67/10 धारा 498ए, 304बी भादवि व धारा 3ध्4 डीपी एक्ट' से संबंधित वारण्टी अभियुक्त धीरज पुत्र ज्ञानपुत्र नि0 गनऊ का पुरवा पूरे चमेला थाना संग्रामगढ़ जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–'

01. धीरज पुत्र ज्ञानपुत्र नि0 गनऊ का पुरवा पूरे चमेला थाना संग्रामगढ़ जनपद प्रतापगढ़।

'पुलिस टीम–'

उ0नि0 राजबहादुर सिंह मय हमराह उ0नि0 सुनील कुमार थाना संग्रामगढ़, जनपद प्रतापगढ़।

संस्कार भारती प्रयागराज के पदाधिकारी का चुनाव संपन्न'

योगेन्द्र कुमार मिश्रा षविश्वबंधुष संस्कार भारती प्रयागराज के पुनः अध्यक्ष मनोनीत'

प्रयागराज।सामूहिक ध्येयगीत गायन के पश्चात संस्कार भारती काशी–प्रांत की प्रतिनिधि डा0सुरचिता गुप्त की देखरेख में संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई की वार्षिक योजना बैठक में इकाई के कोषाध्यक्ष ने विगत–वर्ष के आय–व्यय का ब्यौरा तथा महामंत्री डा0ज्योति मिश्रा ने संपन्न कार्यक्रमों की आख्या प्रस्तुत की।अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार मिश्र ने इकाई कारकारिणी को भंग करने की घोषणा की तथा पुनः सर्वसम्मति से योगेन्द्र कुमार मिश्र को नये सत्र का अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।नवनियुक्त अध्यक्ष ने अपनी कारकारिणी घोषित करते हुए विभव शंकर मिश्र को महामंत्री तथा शम्भूनाथ श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष घोषित किया।अन्य पदाधिकारी उपाध्यक्ष–डा0ज्योति मिश्रा एवं प्रेमलता मिश्र,मंत्री प्रियंका चौहान, रंजना त्रिपाठी एवं डा0रश्मि शुक्ला तथा संयोजक के लिए चित्रकला रवीन्द्र नाथ कुशवाहा,भू–अलकंरण अर्चना पाण्डेय,संगीत संतोष पांडेय,लोककला रागिनी चन्द्रा,साहित्य राकेश मालवीय,प्राचीन कला श्रीरंजन शुक्ल,नाटक पंकज पाण्डेय और कार्यकारिणी सदस्य मनोज गुप्ता,डा0अशोक शुक्ला,पंकज गौड़,रेखा तिवारी,आलोक मिश्र एवं ओंकार नाथ साहू डॉ अंजलि केसरी को घोषित किया गया।इस अवसर पर काशी–प्रांत के प्रयागराज विभाग संयोजक सुशील कुमार राय भी उपस्थित रहे।नवनियुक्त अध्यक्ष ने सभी को बधाई तथा महामंत्री विभव शंकर मिश्र ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।स्वस्ति–वाचन के साथ बैठक पूर्ण हुई।

कोशिश संस्था की काव्य गोष्ठी संपन्न

जौनपुर । साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था कोशिश की काव्य–गोष्ठी बाबू रामेश्वर प्रसाद सिंह सभागार में ख्यात शायर प्रो पी सी विश्वकर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। माँ वीणा वादिनी की वंदना के बाद निडर जौनपुरी ने अपने गीत और गजलों से गोष्ठी को नयी ऊंचाई प्रदान किया। उनका शेर–––आखिर कैसे मरे परिंदे आज कबूतरखाने में।ध कोई न कोई रखा होगा जहर मिलाकर दाने में।ध्समाज मे विश्वास के संकट पर प्रहार कर गया। गिरीश जी का मुक्तक––सुख–शांति की कमी नहीं,संतोष नहीं है।ध्दुनिया में दुखी झलकती मिलेगी।

है,तो दुखी है बस आदमी।ध्मानव जीवन का सटीक आकलन कर गया। व्यंग्यकार प्रखर जी ने अपनी रचना में कवि–जीवन का चित्र खींचा–––संघर्षों के बीच सदा कवि निर्धनता में पलताध्ख्यात शायर अहमद निसार का शेर––कभी गिरिये व संभलिये यही बेहतर होगा।ध रास्ता देखकर चलिए,यही बेहतर होगा।ध्खूब पसंद किया।जनार्दन अष्ठाना का गीत––आंसू की होगी बरसात नहीं होगे तुम।ध अब दीवाली पर साथ नहीं होगे तुम। वियोग जन्य पीड़ा का मर्म उकेर गया। प्रो.आर. एन. सिंह का शेर––आज कोई बन सके नासूर इसके पूर्व ही,हो उचित जैसा भी हो,उपचार होना चाहिए। सामाजिक विसंगति पर चोट कर गया। गोष्ठी में अंसार जौनपुरी,रामजीत मिश्र डाक्टर संजय सिंह सागर,आसिफ फरूखाबादी, राजेश पांडेय, फूलचंद भारती. श्रीमती दमयंती सिंह. कमलेश जी सुरेंद्र यादव,मोनिस जौनपुरी. कारी जिया,ओ.पी.खरे ने अपनी रचनाओं से गोष्ठी में चार चाँद लगा दिया। इस अवसर पर रामजीत मिश्र के काव्य संग्रह का विमोचन हुआ। गोष्ठी का संचालन अशोक मिश्र ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डाक्टर श्रीमती विमला सिंह ने किया।

भोलानाथ कुशवाहा का बालगीत संग्रह बन्दर आया-बन्दर आया प्रकाशित

बच्चों के मनोविज्ञान के साथ उनके जीवन की लय भी अच्छी तरह प्रस्तुत– डॉ रामसुधार सिंह

रचनाओं में आज का समय और उससे जूझते बच्चों की जिन्दगी मिलेगी– भोलानाथ कुशवाहा

मिर्जापुर। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा का बालगीत संग्रह ष्बन्दर आया–बन्दर आयाष प्रकाशित होकर आ गया है। इसे हिन्दी श्री पब्लिकेशन ने प्रकाशित किया है। इसमें बच्चों का व्यवहार, सोच और बाल मनोविज्ञान से जुड़ी 63 रचनाएँ शामिल हैं। इसकी भूमिका वाराणसी के जाने–माने साहित्यकार व समीक्षक डॉ रामसुधार सिंह ने लिखी है। अपनी भूमिका में वह लिखते हैं – ष्बन्दर आया–बन्दर आयाष शीर्षक बालगीत संग्रह में भोलानाथ कुशवाहा ने बच्चों के मनोविज्ञान के साथ उनके जीवन की लय को भी अच्छी तरह प्रस्तुत किया है।ष संग्रह के रचनाकार भोलानाथ कुशवाहा ने अपनी बात में लिखा है– ष्इसमें शामिल रचनाओं में आज का समय और उससे जूझते बच्चों की रोजमर्रा की जिन्दगी एवं हँसी–खुशी

नगर के बाँकेलाल टंडन की गली, वासलीगंज निवासी 74 वर्षीय भोलानाथ कुशवाहा की यह दसवीं कृति है। इससे पूर्व इनके चार कविता संग्रह– कब लौटेगा नदी के उस पार गया आदमी, जीना चाहता हूँ इतिहास बन गया और वह समय था के साथ ही, नाटक–ईशा, कहानी संग्रह– लोक डाउन, दोहा संग्रह– जन–मन, हाइकु संग्रह– टुटी लहर, नवगीत संग्रह– नाव कहीं है कहीं पाल है प्रकाशित हो चुके हैं। इनका एकांकी संग्रह प्रकाशित होने के लिए तैयार है।

साहित्य लेखन की लम्बी यात्रा में इन्हें कई महत्वपूर्ण सम्मान मिलते रहे हैं जिनमें उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ का– मोहन राकेश सर्जना पुरस्कार, हिन्दुस्तानी एकेडेमी प्रयागराज का– एकेडेमी सम्मान–2024 , जयपुर राजस्थान का राजेन्द्र बोहरा स्मृति काव्य सम्मान, साहित्य संघ वाराणसी (सोच विचार पत्रिका) का –सेवक साहित्य श्री सम्मान, शहर समता प्रयागराज का– कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान, गोंडा (उ.प्र.) की पत्रिका शूर्पावपरश का– साहित्य श्री सम्मान, विश्व हिन्दी संस्थान कनाडा का– सार्वभौमिक साहित्यकार सम्मान, वर्ड लिटरेरी फोरम पीस एण्ड ह्यूमन राइट्स का– नेशनल अम्बेसडर आफ पीस एवार्ड आदि प्रमुख हैं।

श्री कुशवाहा का बालगीत संग्रह ष्बन्दर आया–बन्दर आयाष प्रकाशित होने पर साहित्यकारों , कवियों–शायरों व अन्य वर्ग के लोगों ने बधाई दी हैं। बधाई देने वालों में सर्वश्री डॉ अनुज प्रताप सिंह, प्रो. रेनूरानी सिंह, डॉ वंदना मिश्रा, वृजदेव पांडेय,प्रमोद कुमार सुमन, गणेश गंभीर, लल्लू तिवारी,डॉ रमाशंकर शुक्ल, अरविंद अवस्थी, लाल व्रत सिंह सुगम, केदार नाथ सविता, आनन्द अमित, जफर मिर्जापुरी, मुहिब मिर्जापुरी, डॉ अनुराधा ओस, डॉ सुधा सिंह, सारिका चौरसिया, नंदिनी वर्मा, इला जायसवाल, पूजा यादव,आनन्द केसरी,खुर्शीद भारती, इम्तियाज अहमद गुमनाम,श्याम अचल, प्रमोद चंद गुप्त, अनिल यादव,धर्मदास, संतोषी निषाद आदि हैं।

लखनऊ में मना सावन महोत्सव

कानपुर नगर की सीमा वर्णिका हुई सम्मानित

लखनऊ। आभासी दुनिया के हिंदी काव्य प्रेमियों के बहुचर्चित समूह कलम के जादूगर ने उत्साह और उत्सव भरे सावन के मौसम में लखनऊ शहर की सांस्कृतिक धरोहर में नया रंग भरते हुए आयोजन किया श्सावन महोत्सवश कवि सम्मेलन का।

13 जुलाई, शनिवार को रेडिएंट होटल में आयोजित यह कार्यक्रम जाने माने कवि, गीतकार और कलम के जादूगर के संस्थापक श्री श्रेय तिवारी की अध्यक्षाता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे डॉ जितेन्द्र कुमार गुप्ता जी (सी.ई.ओ., एफ.एच. मेडिकल कॉलेज आगरा), सावन महोत्सव का उत्कृष्ट संचालन किया गया कवयित्री पूजा श्रीवास्तव, कवयित्री अलका बलूनी पंत, कवयित्री प्रीति पांडेय, कवयित्री ऋतु तिवारी एवं कवयित्री हेमा सागरिका द्वारा।

इस भव्य काव्य सम्मेलन में भाग लेने हेतु देश भर से, पटल से जुड़े, कई वरिष्ठ एवं युवा रचनाकारों को आमंत्रित किया गया जिन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक जैसे विभिन्न विषयों पर अपने विचारों का प्रस्तुतीकरण किया। गजलों, गीतों और छंदों की रिमझिम फुहारों ने समा मनमोहक कर दिया। दर्शकों का मन कभी प्रेम रस से प्रफ्फुलित हुआ तो कभी हास्य व्यंग्य में सराबोर हुआ। कभी भावुक हुए श्रोतागण तो कभी हृदय में ऊर्जा का संचार हुआ।

इस शानदार समारोह में सम्मिलित होने वाले रचनाकार हैं कुलदीप शुक्ला, दीपांशी शुक्ला, रिजवान फरीदी, डॉ बृजभूषण,ऋचा अग्रवाल, पंकज देहाती, विक्रम सिंह यादव बरनी,अलका निगम, दुर्वेश कुमार, डॉ किरण दयाल, अमित अल्प, अजय साथी, सरिता त्रिपाठी, पद्मनाभ त्रिपाठी, अभिलाषा अरुण, निर्देश कुमार विन, सीमा वर्णिका, विजय पुरोहित बिजू, कृष्ण कुमार दूबे, सुधीर यादव, प्रकाश मित्रवत, चेतना तिवारी, तरुण जैन, सीमा श्रीवास्तव, विनय कुमार साहू निश्छल, पूनम नैन मलिक, जगन्नाथ राय, पारुल चौधरी, बीरेंद्र गौतम, ऊषा शर्मा,अंजू अहिरवार, मनोज पांडेय मुसाफिर, अर्चना झा, श्राबोनी गांगुली, विशु तिवारी, अंजू चौधरी, शशांक मणि यादव, संगीता वर्मा, निशा सक्सेना, अनीता अरोड़ा, ज्योति शर्मा, अंजना जैन और नीलम गुप्ता।

इन सभी रचनाकारों को हिंदी काव्य साहित्य के उत्थान में कार्यरत होने हेतु कलम के जादूगर समूह द्वारा श्केकेजे साहित्य गौरव सम्मानश से भी नवाजा गया।

इस सावन महोत्सव के आयोजक श्री श्रेय तिवारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदी काव्य साहित्य की अभिवृद्धि और नवीन रचनाकारों को मंच प्रदान करना है। कलम के जादूगर नियमित रूप से ऐसे सम्मेलनों का आयोजन विभिन्न शहरों में करते रहते हैं।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम का अधिष्ठापन समारोह

प्रयागराज, रोटरी प्लैटिनम के अधिष्ठापन समारोह में रोटेरियन शशांक जैन अध्यक्ष पद पर आसित हुए। रोटरी प्लैटिनम का चौथा अधिष्ठापन समारोह ष्उड़ानष सिविल लाइन्स स्थित होटल रामा कॉन्टिनेंटल में बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

सर्वप्रथम रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मुख्य अतिथि रोटेरियन पारितोष बजाज एवं विशिष्ठ अतिथि रोटेरियन पंकज जैन और रोटेरियन सौरभ पुरी, अध्यक्ष रोटेरियन शशांक जैन, पूर्व अध्यक्ष पियूष रंजन अग्रवाल, पूर्व सचिव मनीष गर्ग, वर्तमान सचिव सुमित अग्रवाल मंचासीन हुए।

इंस्टालेशन चेयरमैन रितेश सिंह व मास्टर ऑफ सेरेमनी रोटेरियन उपहार जैसवाल, डॉक्टर नेहा दुआ व कल्पना गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया। गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पारितोष बजाज, अस्सिटेंट गवर्नर सौरभ पूरी, डी जी आर एच पंकज जैन, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 के उच्च स्तरीय डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर्स व पूर्व मंडलाध्यक्षो का स्वागत एवं अभिनंदन पुष्प गुच्छ, शाल, मोमेंटो आदि देकर अभिवादन किया गया। प्रयागराज के अन्य सभी रोटरी क्लब के अध्यक्ष, सचिव और सदस्यों को भी उपहार देकर उनका स्वागत अभिवादन किया गया।

पूर्व अध्यक्ष पियूष अग्रवाल ने सभी का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया और अध्यक्ष के रूप में अपनी रोटरी यात्रा साझा की। सचिव मनीष गर्ग ने रोटरी सत्र 2023–24 में रोटरी प्लैटिनम द्वारा किये गए समस्त प्रोजेक्ट्स और मीटिंग्स की रिपोर्ट प्रोजेक्टर द्वारा प्रस्तुत किया। पूर्व अध्यक्ष ने भावी अध्यक्ष शशांक जैन को कॉलर पहना कर उपहार दिया और अध्यक्ष पद सौंपा व पूर्व सचिव ने भावी सचिव सुमित अग्रवाल को कॉलर पहना कर उपहार दिया और सचिव पद सौंपा।

पूर्व अध्यक्ष ने रोटेरियन शशांक जैन को तिलक लगाया, रोटरी पिन पहनाया। चार्टर अध्यक्ष रितेश सिंह ने शाल और बैज पहनाया व सभी की उपस्थिति में क्लब का चार्टर शशांक जैन के सुपुर्द किया। रोटेरियन अजय शर्मा ने अध्यक्ष शशांक जैन का परिचय विस्तार में पढ़ा ततपश्चात शशांक जैन ने सभा को सम्बोधित करते हुए अपनी कार्य योजनाओं को विस्तारित किया। इसी क्रम में पंकज जैन और सौरभ पुरी ने शशांक जैन को अध्यक्ष बनने कि शुभकामनाओ सहित अपने विचार प्रस्तुत किये।

अध्यक्ष शशांक जैन ने सत्र 2024–25 के कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा की उनको पिन पहनाया और प्रोजेक्ट फाइल प्रदान कर सभी को कार्यभार सौंपा।

इंस्टालेशन सेरेमनी में इंस्टालेशन कमेटी में एकता तलवार, ज्योति सिंह, व साधना कात्याल द्वारा रोटरी प्लैटिनम ने 11 नए सदस्यों को जोड़ा और उनको क्लब की सदस्यता प्रदान करते हुए उनको शपथ ग्रहण करवाया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर और अध्यक्ष द्वारा प्राउड टू बी रोटेरियन का मोमेंटो प्रदान किया गया एवं क्लब की सदस्यता सम्बन्धित दस्तावेज एक आकर्षक फाइल में दिया गया। सभी पूर्व मंडलाध्यक्ष द्वारा नए सदस्यों को रोटरी पिन पहनाया गया।

इस अवसर पर क्लब मासिक पत्रिका मुस्कान का अनावरण डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, अध्यक्ष शशांक जैन और मंचासीन रोटेरियन सदस्यों द्वारा किया गया। इस पत्रिका में क्लब द्वारा किये गए प्रोजेक्ट्स, शुभ कामना सन्देश आदि मुद्रित किया जाता है। क्लब बुलेटिन के कोचेयरमैन मनीष गर्ग ने बताया कि जिन सदस्यों ने इस पत्रिका के प्रकाशन में अपने प्रतिष्ठान का विज्ञापन देकर सहयोग किया है उनको भी मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

रोटेरियन शशांक जैन ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पारितोष बजाज को द रोटरी फॉउंडेशन में सदस्यों द्वारा एकत्रित कर +2750 डॉलर का अनुदान दिया।

मुख्य अतिथि रोटेरियन पारितोष बजाज का परिचय पत्र रोटेरियन आकांक्षा चोपड़ा ने पढ़ा और तत्पश्चात डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने अपने सम्बोधन में अध्यक्ष शशांक जैन और उनकी कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं दी और क्लब के सफल संचालन के लिए मार्गदर्शन किया और योजनाओं को साझा किया। अध्यक्ष शशांक जैन ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को मोमेंटो प्रदान कर उनको सम्मनित किया।

अंत में सचिव सुमित अग्रवाल ने सेक्रेटरी रिपोर्ट प्रस्तुत की और रोटेरियन डॉक्टर प्रतीक पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया उसके बाद शशांक जैन द्वारा सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने किया उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण

श्री जोशी ने अधिकारियों के साथ बैठक की और प्राथमिकताएं बताईं– संरक्षा, समयपालन और ग्राहक संतुष्टि

प्रयागराज। भारतीय रेल यातायात सेवा के अधिकारी श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, उत्तर रेलवे के पद पर कार्यरत थे। नए नवागत महाप्रबंधक 1988 बैच के अधिकारी हैं और उन्होंने भारतीय रेल में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं।

यातायात से संबंधित मुद्दों में अपने व्यापक अनुभव के अलावा, उन्हें सामान्य प्रशासन में भी व्यापक अनुभव है। श्री जोशी ने अपनी रेल सेवा की शुरुआत सहायक परिचालन प्रबंधक, समस्तीपुर के रूप में की, उसके बाद डीओएम और डीसीएम लखनऊ के रूप में कार्य किया और उसके बाद क्रमशः सीनियर डीओएम वाराणसी और इज्जतनगर मंडलों के रूप में पदस्थापित हुए। उन्होंने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक और उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के रूप में भी कार्य किया है। फिर उन्होंने उत्तर पश्चिम मुख्यालय में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक और सीनियर डीसीएम जोधपुर के रूप में भी काम किया।

श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने उत्तर रेलवे में सीसीएमध्आईटी के पद पर कार्य किया तथा क्रिस में भी कार्य किया, जहां उन्होंने परियोजना प्रमुख के रूप में नियंत्रण कार्यालय एप्लीकेशन (सीओए) के कार्यान्वयन एवं एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप रेलवे परिचालन का केन्द्र माने जाने वाले नियंत्रण कार्यालयों का ऑटॉमेशन हुआ । सीओए राष्ट्रीय रेल पूछताछ प्रणाली का आधार है, जो भारतीय रेल यात्रियों को वास्तविक समय पर ऑनलाइन रेलगाड़ियों की जानकारी देता है। उन्होंने रेलवे बोर्ड में ईडीपीएम, कोटा मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तथा खान मंत्रालय में संयुक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा के मूल निवासी श्री जोशी ने प्रारंभिक शिक्षा रानीखेत अल्मोड़ा से प्राप्त की, तत्पश्चात उन्होंने प्रतिष्ठित आईआईटी कानपुर से केमिकल इंजीनियरिंग में स्नातक एवं परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। भारतीय रेल अपनी सेवाओं के माध्यम से जनता से सीधे जुड़ी हुई है, इसलिए अपने कार्यों एवं कर्मों के माध्यम से जनता को सुविधा प्रदान करना श्री जोशी की प्रेरणा का स्रोत है।

वे परिवहन क्षेत्र में गुणात्मक सुधार में भी योगदान देना चाहते हैं। आज औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। सभी मंडल रेल प्रबंधक भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए श्री जोशी ने अपनी प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार आया है। इन प्रयासों के प्रति जनता के रुझान के कारण, ग्राहक इंटरफेस में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कर्मचारियों के व्यवहार में भी सुधार हुआ है, पहले वे मात्र रेलवे के लिए काम करते थे, अब हमारे फ्रंटलाइन कर्मचारी सम्मानित ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए काम करते हैं। वर्तमान में हमारे सामने अपने ग्राहकों को वास्तविक समय पर प्रतिक्रिया प्रदान करने की चुनौती है, हम सभी को चुनौती से निपटने और प्रश्नेंधशिकायतों का समय पर निवारण सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। हमें संरक्षायुक्त परिचालन भी सुनिश्चित करना चाहिए और जनता में विश्वास पैदा करना चाहिए। उन्होंने समयपालन पर भी बल दिया क्योंकि यह सिर्फ समय सारिणी नहीं है बल्कि यात्रियों को समय पर उनके गंतव्य तक पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमे आधारभूत संरचना का निर्माण आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने के स्रोत के रूप में करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अमृत भारत स्टेशनों और माल ग्राहकों की मांगों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा ।

आगामी कुंभ मेले के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य, नागरिक और मेला प्राधिकारियों के साथ समन्वय में एक टीम के रूप में कार्य करना आवश्यक है।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि कुंभ से संबंधित सभी बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्य उचित समय–सीमा में पूरे किए जाएं और पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएं, ताकि प्रयागराज आने वाले तीर्थयात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

इस्कन, विश्वनाथ आंचलिक नामहट्ट संघ के सौजन्य में श्री श्री जगन्नाथ देव का रथयात्रा महोत्सव समारोह उल्टा रथयात्रा के साथ संपन्न

विश्वनाथ में भव्य उल्टा रथयात्रा निकाला गया'

विश्वनाथ, असम । विश्वनाथ जिले के सदर विश्वनाथ चारिआलि शहर के पाभोई रोड में स्थित सर्वाजनिक धर्मशाल प्रागंण से आज हजारों श्रद्धालुओ के बीज भव्य तरीके से उल्टा (फेरी)रथयात्रा निकाली गया। श्री श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ आरती –पूजन के साथ हुआ। अपराह्न 3 बजे जगन्नाथ रथयात्रा सर्वाजनिक धर्मशाल प्रागंण से निकाली गयी ।जो विश्वनाथ चारिआलि शहर की परिक्रमा करते हुए निज बाघमारी श्री श्री जगन्नाथ इस्कन मंदिर में समापन हुआ। लगभग पाँच घंटा इस रथयात्रा में श्रद्धालुओ की भीड़ देखी। आस्था का प्रतिक जगन्नाथ रथयात्रा के रस्सी खीचने के लिए रास्ते में चलते श्रद्धालुओ की उत्साह देखा गया। साथ ही पूरे विश्वनाथ चाराली शहर पूरे हरे कृष्णा एंव जगन्नाथ देव के गीतों से गूज उठा। इस मौके पर श्रद्धालुओ को कृष्ण के गीतों से नाचते –झूमते हुए देखा गया। विश्वनाथ जिले के सोतिया, ढोली, माजुलीगढ़,बरपोखरी, पाभोई, बिहाली,बरगांग और अन्य जगहो से इस रथयात्रा में हजारों श्रद्धालु मौजूद थे ।इस मौके पर श्रीमद् भागवत कथा प्रवचक तथा विश्वनाथ चारिआलि शहर के गण मान्य व्यक्ति मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि इस्कन, विश्वनाथ आंचलिक नामहट्ट संघ के सौजन्य में श्री श्री जगन्नाथ देव का रथयात्रा महोत्सव समारोह में 7 दिवसीय भागवत पाठ ज्ञानयज्ञ विश्वनाथ चारिआलि सार्वजनिक धर्मशाला प्रांगण भक्ति का परिवेश विराजमान था। जो 7 जुलाई को निज बाघमारी श्री श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रांगण से होकर प्रायः 8 किलोमीटर का यात्रा करते हुए विश्वनाथ चारिआलि के सार्वजनिक धर्मशाला प्रांगण में समापन हुई थी। इस कार्यक्रम में भागवत कथावाचक श्रीपाद रामाकांत दास, इस्कन, वृन्दावन से पधारे थे।

संक्षिप्त

नेपाल में भूस्खलन के कारण नदी में बह गई दो बसें, सात शव बरामद

नेपाल में यात्रियों से भरी दो बसें भूस्खलन के कारण पानी में बह जाने के बाद नदी से बचावकर्मियों ने कुल सात शव बरामद किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बचाव कर्मियों को नदी के किनारे अलग–अलग स्थानों पर शव

मिले हैं। लापता बसों और उसमें सवार लोगों की तलाश जारी है। सरकारी प्रशासक खीमा नंदा भुसाल ने बताया कि बरामद शवों की पहचान करउनके रिश्तेदारों से संपर्क किया गया है। मृतकों में तीन भारतीय हैं और बाकी चार नेपाली नागरिक हैं। ये बसें शुक्रवार की सुबह काठमांडू से लगभग 120 किलोमीटर पश्चिम में सिमलताल के पास बह गईं थीं। यह दुर्घटना नेपाल की राजधानी को देश के दक्षिणी भागों से जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्ग पर हुई।

सोमालिया में कैफे के बाहर विस्फोट में पांच लोगों की मौत

सोमालिया की राजधानी मोगादिशू में रविवार को एक कैफे के बाहर हुए बम विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सोमाली पुलिस के प्रवक्ता मेजर अब्दिफिताह अदेन हस्सा ने बताया कि कुछ लोग कैफे के अंदर टीवी पर स्पेन और इंग्लैंड के बीच यूरोपियन चौंपियनशिप फुटबॉल मैच का फाइनल देख रहे थे तभी बाहर एक कार में विस्फोट हो गया। यह कार विस्फोटकों से भरी हुई थी।

उन्होंने पत्रकारों को बताया कि हमले में कम से कम 20 अन्य लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल की बताई जा रहीं कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं जिनमें विस्फोट के बाद कैफे के बाहर आग दिखाई दे रही है। चश्मदीद इस्माइल अदेन ने फोन पर बताया, कुछ दर्शक कैफे की दीवार फांदने की कोशिश करते हुए घायल हो गए जबकि कुछ भगदड़ में घायल हो गए। उन्होंने कहा कि विस्फोट के समय अधिकतर पीड़ित सड़क पर थे। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि हमले के लिए कौन जिम्मेदार है। सोमालिया की सरकार चरमपंथी समूह 'अल–शबाब' के खिलाफ आक्रामक अभियान चला रही है।

डोनाल्ड ट्रम्प पर हमले के बाद क्यों निशाने पर आईं किम्बर्ली चीटल ? पेप्सी की नौकरी छोड़ कैसे बन गईं सीक्रेट सर्विस चीफ

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर एक चुनावी रैली के दौरान हुए जानलेवा हमले के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मचा है। ट्रंप पेंसिल्वेनिया में रैली कर रहे थे। तभी अचानक गोलियों की जोरदार आवाज आती है। गोलियों की गूंज के बीच कुछ ही सेंटीमीटर से ट्रम्प बच गए, लेकिन दृश्य भयानक था। हम लेकर कुछ देर बाद ट्रंप अपने पैर पर खड़े हो गए और जोश के साथ अपने दाहिने हाथ को अपने चेहरे की ओर बढ़ते हुए तस्वीरों में देखा गया। ट्रंप के गॉड्स उन्हें बचाते हुए ले जाते हुए नजर आए। सीक्रेट सर्विस ने कहा कि संदिग्ध को एजेंटों ने गोली मार दी। रैली में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य दर्शक गंभीर रूप से घायल हो गए। एफबीआई के विशेष प्रभारी एजेंट केविन रोजेक ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि बंदूकधारी मरने से पहले मंच पर गोलीबारी करने में सक्षम रहा। रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधि सभा पैनल ने सीक्रेट सर्विस के निदेशक किम्बर्ली ए चीटल को गोलीबारी की घटना के बाद गवाही देने के लिए 22 जुलाई को पेश होने के लिए बुलाया है। पैनल के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने चीटल को लिखे अपने पत्र में कहा कि निगरानी और जवाबदेही समिति ने एक जांच शुरू कर दी है। 22 जुलाई, 2024 को पूर्ण समिति की सुनवाई में उन्हें उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

किम्बर्ली ए चीटल कौन है?

किम्बर्ली ए चीटल यूएस सीक्रेट सर्विस की 27वीं निदेशक हैं। उन्होंने 17 सितंबर, 2022 को पद की शपथ ली। उन्होंने जेम्स एम मरे (मई 2019–सितंबर 2022) का स्थान लिया। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के तहत संघीय कानून प्रवर्तन

एजेंसी को ट्रम्प सहित पूर्व राष्ट्रपतियों को आजीवन सुरक्षा देने का काम सौंपा गया है। चीटल 7,800 से अधिक कर्मियों के कार्यबल का नेतृत्व करके एजेंसी के एकीकृत मिशन को सफलतापूर्वक निष्पादित करने के लिए जिम्मेदार है। चीटल ने 27 वर्षों तक संघीय सरकार के लिए काम किया है और गुप्त सेवा में कई पदों पर काम किया है। गुप्त सेवा निदेशक के रूप में नियुक्ति से पहले, उन्होंने पेप्सिको के साथ वैश्विक सुरक्षा में वरिष्ठ निदेशक के रूप में कार्य किया, जहां वह उत्तरी अमेरिका में कंपनी की सुविधाओं के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल के लिए जिम्मेदार थीं। सीक्रेट सर्विस में उनकी पिछली भूमिका सुरक्षात्मक संचालन कार्यालय के सहायक निदेशक के रूप में थी। इस पद पर रहते हुए, उन्होंने संरक्षित लोगों, संरक्षित सुविधाओं और संरक्षित घटनाओं के जोखिम को कम करने वाली प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान, विकास और तैनाती के लिए दस परिचालन प्रभागों और तकनीकी सुरक्षा प्रभाग के साथ सहयोग किया।

प्रेसिडेंशियल रैंक अवार्ड मिला

चीटल ने अटलांटा में संगठन के फील्ड कार्यालय के प्रभारी विशेष एजेंट के रूप में कार्य किया था। उन्हें फरवरी 2016 में जेम्स जे. राउली ट्रेनिंग सेंटर (आरटीसी) के प्रभारी विशेष एजेंट के रूप में वरिष्ठ कार्यकारी सेवा (एसईएस) में नियुक्त किया गया था। किम्बर्ली ए चीटल के असाधारण प्रदर्शन के लिए, उन्हें द वूमन इन फेडरल लॉ एनफोर्समेंट पब्लिक सर्विस अवार्ड और प्रेसिडेंशियल रैंक अवार्ड मिला। सिक्योरिटी पत्रिका द्वारा सुरक्षा में तैनात 2022 महिलाओं की सूची में उनका नाम भी शामिल किया गया था। सीक्रेट सर्विस का नेतृत्व करने वाली दूसरी महिला (जूलिया पियर्सन पहली थीं), चीटल ने ईस्टर्न इलिनोइस यूनिवर्सिटी से बीए किया।

इमरान खान के पॉलिटिकल द इंड की शहबाज ने कर ली पूरी तैयारी, पार्टी पर अब लगेगा बैन

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, देश के सूचना मंत्री ने सोमवार को इसकी घोषणा की। पीटीआई पाकिस्तान की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। पाकिस्तानी सूचना और प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि कथित राज्य विरोधी गतिविधियों के लिए पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, सरकार इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में भेजेगी।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के नेतृत्व वाली सरकार का यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें इमरान खान की पार्टी को महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित 20 से अधिक सीटों के लिए पात्र घोषित किया गया था, जिससे पीटीआई के लिए सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रतिबंध के फैसले की घोषणा करते हुए, मंत्री ने कहा कि कार्रवाई के लिए षविश्वसनीय सबूतष थे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय कई कारकों पर आधारित था, जिसमें ष्साबित आरोपष भी शामिल था कि खान की पीटीआई को उन स्रोतों से विदेशी धन प्राप्त हुआ था जो पाकिस्तान में अवैध हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी फंडिंग मामले, 9 मई के दंगों, सिफर प्रकरण के साथ–साथ अमेरिका में पारित प्रस्ताव को देखते हुए, हमारा मानना है कि पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के लिए बहुत विश्वसनीय सबूत मौजूद हैं। पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना से असंतोष के बाद अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव द्वारा पद से हटाए जाने के बाद से 71 वर्षीय इमरान खान को उनके खिलाफ कई मामलों के कारण रावलपिंडी की अदियाला जेल में रखा गया है।

डोनाल्ड ट्रम्प से पहले हमलावर ने तानी थी पुलिस अधिकारी पर राइफल, 20 साल के अटैकर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स का क्या था मकसद?

अमेरिका। पेन्सिलवेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कान के सामने से गोली गुजरने से पूरे देश में सनसनी फैल गई थी। इसके कुछ ही घंटों बाद संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने हत्यारे की पहचान 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की। एफबीआई ने एक बयान में कहा, ष्एफबीआई ने पेंसिल्वेनिया के बेथेल पार्क निवासी 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रूक्स की पहचान 13 जुलाई को बटलर,

पेंसिल्वेनिया में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास में शामिल व्यक्ति के रूप में की है।'' पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश करने वाले 20 वर्षीय व्यक्ति पर शनिवार की रैली में पहली बार कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर पड़ी, जब दर्शकों ने उसे अभियान कार्यक्रम के बाहर अजीबोगरीब हरकतें करते देखा। इस सूचना के बाद पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी, लेकिन अधिकारी उसे नहीं ढूंढ पाए, क्योंकि वह छत पर चढ़ गया और उसने गोली चला दी।

डोनाल्ड ट्रंप पर हमला!

दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारी के पास उसके पिता की एआर–स्टाइल राइफल थी और वह पास की छत पर बैठा था, तभी रैली में शामिल कुछ लोगों ने स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों को उसकी ओर इशारा किया। उन्होंने नाम न बताने की शर्त पर एसोसिएटेड प्रेस से चल रही आपराधिक जांच पर चर्चा की। स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारी छत पर चढ़ गया और उसने बंदूकधारी को ढूंढ निकाला, जिसकी पहचान थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई, जिसने अधिकारी पर राइफल तान दी। अधिकारियों ने बताया कि अधिकारी फिर सीढ़ी से नीचे उतरा और बंदूकधारी ने तेजी से ट्रंप की ओर गोली चलाई। रिपोर्ट में बताया गया है कि तभी अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के बंदूकधारियों ने उसे गोली मार दी। इस बात को लेकर कई सवाल उठे कि आखिर बंदूकधारी इतना करीब कैसे पहुंच गया। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के पिट्सबर्ग फील्ड ऑफिस के प्रभारी एजेंट केविन रोजेक ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि बंदूकधारी सीक्रेट सर्विस द्वारा मारे जाने से पहले मंच पर गोलीबारी करने में सक्षम था। इस बीच, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने एपी को बताया कि पेंसिलवेनिया के बटलर में ट्रंप की रैली में हुई गोलीबारी की जांच पूर्व राष्ट्रपति और संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवार की हत्या के प्रयास के रूप में की जा रही है।

फुटेज सामने आई

इससे पहले, एक नाटकीय वीडियो सामने आया जिसमें सीक्रेट सर्विस के निशानेबाजों की त्वरित प्रतिक्रिया दिखाई गई जिन्होंने बंदूकधारी को गोली मार दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

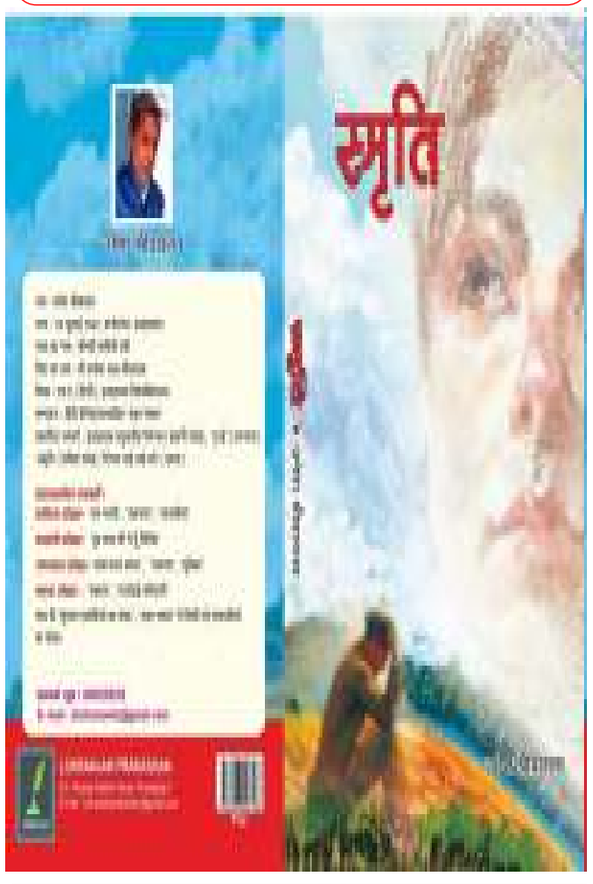

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

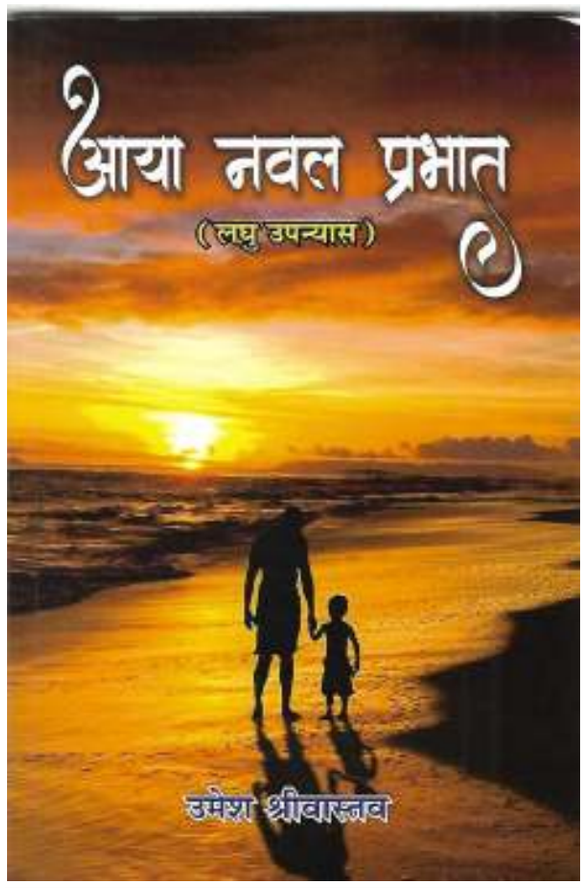

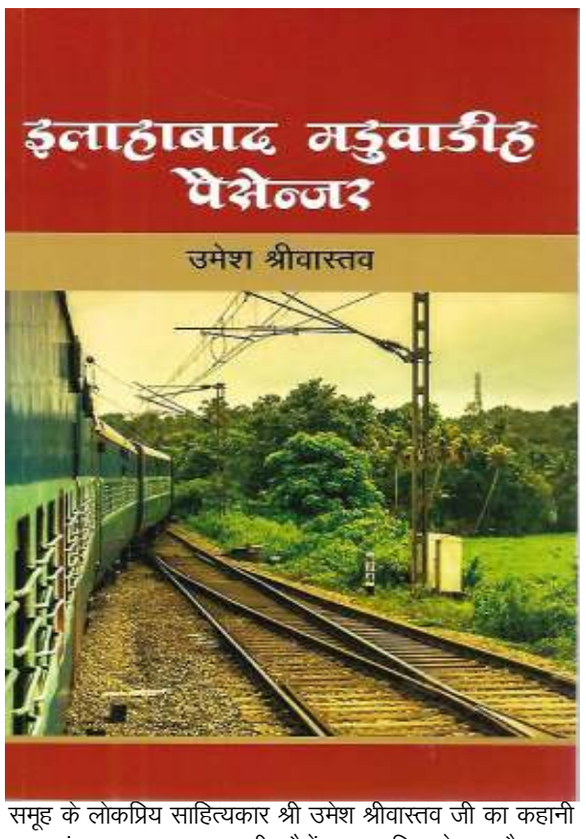

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

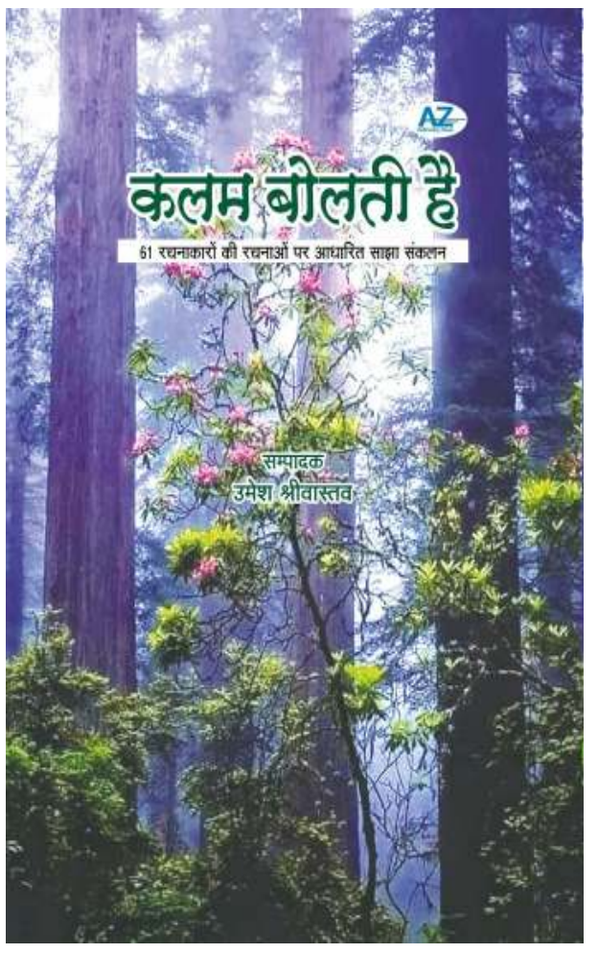

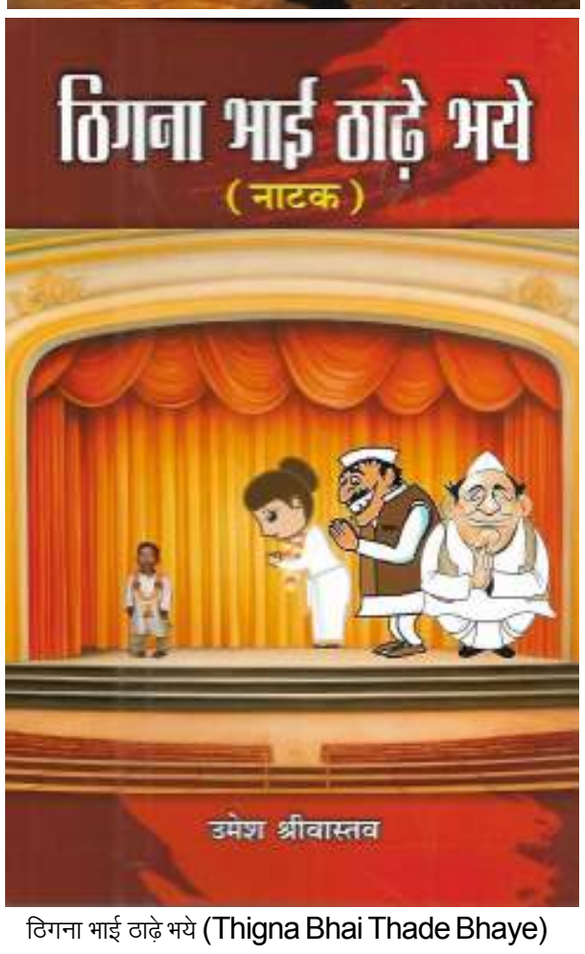

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)